संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 01
पृष्ठ 8
मंगलवार
16 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आप भी पेट की समस्याओं से हैं परेशान...

विचार- इंजीनियर्स डे महज औपचारिकता

खेल- कोशिश करेंगे देश को हमेशा गर्व...

बिहार को पीएम की सैगात, बोले-

पिछड़े को प्राथमिकता और गरीब की सेवा, यही मोदी का लक्ष्य है

पूर्णिया, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्णिया हवाई अड्डे के नए सिविल एन्क्लेव में अंतरिम टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। बिहार चुनाव से पहले उनका यह दौरा महत्वपूर्ण है। नरेंद्र मोदी पूर्णिया में एकत्रित लोगों का अभिवादन किया। मोदी ने बिहार के पूर्णिया में लगभग 36,000 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद हैं। इसके साथ ही मोदी ने बिहार में कई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने बिक्रमशिला–कटेरिया के बीच 2,170 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली रेल लाइन का शिलान्यास किया, जो गंगा नदी के पार सीधा रेल संपर्क प्रदान करेगी। वहीं, अपने संबोधन की शुरूआत में माफी मांगते हुए मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं आप सभी से क्षमा चाहता हूँ। कोलकाता में मेरा कार्यक्रम थोड़ा लंबा हो

गया, और इस वजह से मुझे यहाँ पहुँचने में देर हो गई। इसके बावजूद आप लोग इतनी बड़ी संख्या में हमें आशीर्वाद देने आए। आप इतने लंबे समय तक रुके। मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि आज यहां बिहार के विकास के लिए करीब 40 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। रेल, एयरपोर्ट, बिजली, पानी से जुड़ी ये परियोजनाएं सीमांचल के सपनों को पूरा करने का माध्यम बनेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां 40 हजार से ज्यादा लाभार्थियों को पीएम आवास योजना के तहत पक्के घर भी मिले हैं। इन 40 हजार परिवारों के जीवन में आज एक नई शुरुआत हुई है। धनतेरस, दीपावली और छठ पूजा से पहले अपने पक्के घर में गृह प्रवेश बहुत सौभाग्य से होता है। मैं इन परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि आज का ये अवसर मेरे बेघर भाई–बहनों को भरोसा देने का भी है कि एक दिन उनको भी पक्का घर मिलेगा। ये मोदी की गारंटी है! हमारी सरकार ने पिछले 11 साल में 4 करोड़ से ज्यादा पक्के घर बनाकर गरीबों को दिए हैं। मोदी ने दावा किया कि अब हम 3 करोड़ नए घर बनाने का काम कर रहे हैं। जब तक हर गरीब को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी रुकने या थमने वाला नहीं है। पिछड़े को प्राथमिकता और गरीब की सेवा, यही मोदी का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत–विकसित भारत के निर्माण में इंजीनियर्स की बहुत बड़ी भूमिका है। मैं देश के सभी इंजीनियर्स को आज के दिन की बहुत–बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि छव। सरकार द्वारा इस पूरे क्षेत्र को आधुनिक हाईटेक रेल सेवाओं से भी जोड़ा जा रहा है। आज भी मैंने वंदे भारत, अमृत भारत पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई है। नई रेल लाइन का भी उद्घाटन हुआ है।

योगी ने जनता दर्शन में पहुंचे फरियादी को दिलाया भरोसा, मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश

● हर जरूरतमंद को इलाज में निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है सरकार

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन किया। इस दौरान प्रदेश भर से आये हर पीड़ित के पास पहुंचे, शिकायतें सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। जनता दर्शन में 50 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। रायबरेली से आये किडनी व हर्ट के मरीज को सीएम योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में रायबरेली के थाना खीरो के ग्राम बरवलिया के एक युवक भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनके पिता किडनी–हृदय व यूरिन की बीमारी से पीड़ित हैं। प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने में अब आर्थिक दिक्कत आ रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए अस्पताल से एस्टीमेट भी मंगवाने को कहा। जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता के लिए कई फरियादियों ने प्रार्थना पत्र दिया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी से कहा कि सरकार हर जरूरतमंद मरीज को इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। आप भी अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाएं। आपके इलाज के खर्च की चिंता सरकार करेगी। सरकार विगत 8 वर्ष से हर जरूरतमंद को निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। जनता दर्शन में कई फरियादियों के साथ बच्चे भी आए, जिन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुलार भी किया। नन्हे–मुन्नों के सिर पर हाथ फेर अपनत्व का अहसास कराया। सीएम योगी ने सभी बच्चों को चॉकलेट–टॉफी भी प्रदान की।

लोकतंत्र के हित में है वक्फ पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय : रिजिजू

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उच्चतम न्यायालय के वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत का निर्णय लोकतंत्र के हित में है। श्री रिजिजू ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले पर सोमवार को कहा कि यह देश के लिए बहुत अच्छा निर्णय है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र के लिए यह बहुत अच्छा संकेत है। कुछ लोग बिना वजह के संसद के निर्णय को चुनौती देते हैं। उन्होंने कहा कि संसद के अधिकार को चुनौती नहीं दी जा सकती है। संसद में बने कानून के प्रावधान को लेकर चुनौती दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शीर्ष अदालत में अधिनियम की मंशा और प्रावधान

के बारे में बताया है। शीर्ष अदालत का फैसला लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि कोई भी कानून जब संसद में बनता है तब उस पर विस्तृत चर्चा की जाती है। वक्फ को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में सबसे लंबी चर्चा हुई थी। इतना गहरायी से चर्चा करने के बाद उसे खारिज नहीं किया जा सकता है यही उच्चतम न्यायालय ने साबित किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम पूरे मुस्लिम समाज को फायदा पहुंचाने वाला है। संपत्ति का जो दुरुपयोग होता था वह भी बंद हो जाएगा। अब वक्फ संपत्ति से मुस्लिम महिलाओं और मुस्लिम बच्चों के लिए और गरीब पिछडों के काम आने वाला है।

बिहार में किसानों की जमीन लुटवा रही है भाजपा सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 15 सितंबर (वार्ता) कांग्रेस कहा है कि मोदी सरकार अपने नजदीकी उद्योगपति पर बिहार में भी मेहरबान हो रही है और वहां ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए किसानों की जमीन लूटकर गौतम अडानी को दी जा रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार में भागलपुर के पीरपैंती में किसानों की जमीन की लूट मची है और वहां स्थापित होने

वाले ऊर्जा संयंत्र के लिए बहुत कम दरों पर किसानों की जमीन खरीदी जा रही है। उनका यह भी आरोप था कि वहां किसानों से डरा धमकाकर कम दाम पर जमीन खरीदी जा रही है। श्री खेड़ा ने कहा, 10 लाख पेड़, 1,050 एकड़ जमीन राष्ट्र सेठ गौतम अडानी को पावर प्लांट लगाने के लिए एक रुपए प्रतिवर्ष पर 33 साल के लिए दे दी गई। जब आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार जा रहे हैं, तब वहां के ग्रामीणों को नजरबंद कर दिया गया, ताकि वे धरना न दे सकें। श्री बिहार से जाते–जाते अपने दोस्त अडानी को 1,050 एकड़ जमीन देने जा रहे हैं। ये 2,400 मेगावॉट का प्रोजेक्ट है, जिसका बजट 21,400 करोड़ रुपए है। इसकी घोषणा बजट में भी हुई थी। हालांकि उस वक्त सरकार ने कहा था कि वो खुद ये प्लांट लगाएगी लेकिन बाद में सरकार ने हाथ खड़े कर दिए और ये प्रोजेक्ट गौतम अडानी को दे दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा की स्थिति बिहार में बहुत खराब है। उन्हें डर है कि अगले चुनाव में जीत नहीं होगी इसलिए सुनिश्चित हार को देखते हुए चुनाव से पहले अपने मित्र का ऊर्जा संयंत्र स्थापित करवा रहे हैं।

कोई भी गड़बड़ी मिली तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी

कोर्ट ने अंतिम दलीलों के लिए तय की तारीख

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर प्रक्रिया की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए 7 अक्तूबर की तारीख तय की है। कोर्ट ने कहा कि हम मानते हैं कि एक संवैधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग बिहार एसआईआर प्रक्रिया में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रहा है। अगर हमें बिहार एसआईआर के किसी भी चरण में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता मिलती है, तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि बिहार एसआईआर पर टुकड़ों में राय नहीं दी जा सकती, अंतिम फैसला पूरे भारत के लिए लागू होगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह यह मानकर चल रही है कि एक संवैधानिक प्राधिकारी होने के नाते चुनाव आयोग ने एसआईआर के संचालन में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन

किया है। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर कोई भी विस्तृत राय देने से इनकार कर दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उसके अंतिम फैसले का एसआईआर प्रक्रिया पर अखिल भारतीय प्रभाव पड़ेगा। पीठ ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव आयोग को देश भर में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए इसी तरह की प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकती। हालांकि, पीठ ने बिहार एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिकाकर्ताओं को 7 अक्तूबर को अखिल भारतीय एसआईआर पर भी बहस करने की अनुमति दे दी। इस बीच शीर्ष अदालत ने 8 सितंबर के उस आदेश को वापस लेने की मांग वाली एक याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें चुनाव आयोग को बिहार एसआईआर में आधार कार्ड को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया गया था।

8 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा और निर्वाचन आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाता की ओर से प्रस्तुत किए जाने पर इसकी वास्तविकता का पता लगा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने किया वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर रोक लगाने से इनकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर पूरी तरह से रोक लगाने से सोमवार को इनकार कर दिया लेकिन कहा कि अंतिम निर्णय आने तक इसके कुछ प्रावधानों पर रोक रहेगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संबंधित कानून के संशोधन की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम आदेश पारित किया। पीठ ने 22 मई को उस कानून के विभिन्न प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए वक्फ के लिए संपत्ति समर्पित करने के लिए 5 साल तक इस्लाम का पालन करने के मानदंड के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को वक्फ के रूप में संपत्ति समर्पित करने से पहले पांच वर्षों तक मुस्लिम होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धारा 3(आर), इस अनिवार्यता पर तब तक रोक रहेगी जब तक कि राज्य (सरकार) द्वारा यह जांचने के लिए नियम नहीं बनाए जाते कि व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसे किसी नियम/तंत्र के बिना, यह प्रावधान मनमाने ढंग से सत्ता का प्रयोग करेगा।

आचार्य देवव्रत ने ली महाराष्ट्र के राज्यपाल पद की शपथ

मुंबई, एजेंसी। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सोमवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर ने श्री देवव्रत को राजभवन के दरबार हॉल में पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। श्री देवव्रत ने संस्कृत में शपथ ली।

समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति बनने के बाद 11 सितंबर को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। श्री देवव्रत 2019 से गुजरात के राज्यपाल के रूप में काम कर रहे हैं। एक पूर्व शिक्षक एवं आर्य समाज प्रचारक श्री देवव्रत ने पहले हरियाणा के कुरुक्षेत्र में एक गुरुकुल के प्राचार्य के रूप में कार्य किया।

1 करोड़ का इनामी नक्सली कमांडर ढेर, अमित शाह बोले- पूरे देश से खत्म होगा नक्सलवाद

हज़ारीबाग, एजेंसी। झारखंड के हज़ारीबाग ज़िले में सोमवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष माओवादी नेता और दो अन्य वरिष्ठ माओवादियों को मार गिराया गया। मारे गए कमांडर की पहचान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय समिति के सदस्य सहदेव सोरेन के रूप में हुई है। वह पूर्वी भारत के सबसे वांछित माओवादी नेताओं में से एक था। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह ने इस कार्रवाई को एंटी नक्सल ऑपरेशन में बड़ी सफलता करार दिया। अमित शाह ने ट्वीट किया कि उत्तरी झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया कर दिया गया है। जल्द ही पूरा देश नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज झारखंड के हज़ारीबाग में सीआरपीएफ़ की कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस की संयुक्त टीम को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। इस अभियान में एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली कमांडर, सीसीएम सहदेव सोरेन उर्फ़ परवेश को ढेर कर दिया गया है।

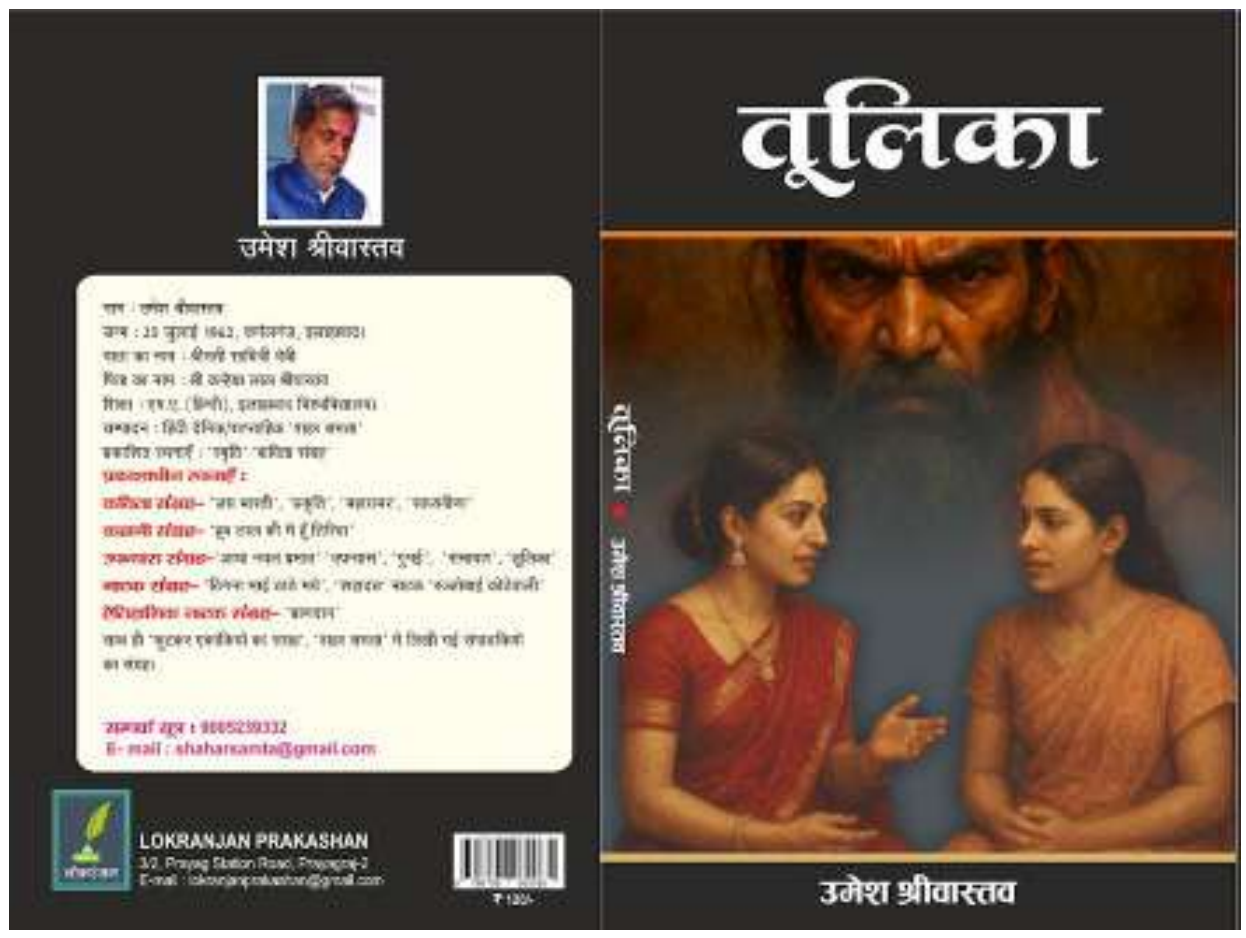

वेंडिंग जोन की जगह अर्बन बाजार बनाने की शिकायत

प्रयागराज। आजाद स्ट्रीट वेंडर वेलफेयर यूनियन हॉकर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने सरोजनी नायडू मार्ग पर वेंडिंग जोन की जगह अर्बन बाजार बनाने की शिकायत सांसद प्रवीण पटेल से की। रवि द्विवेदी के नेतृत्व में पटरी दुकानदारों ने सांसद से कहा कि वेंडिंग जोन में सैकड़ों दुकानदारों को हटाकर अर्बन बाजार में सिर्फ 60 दुकानों को जगह देना एक तरह का घोटाला है। सांसद ने इस मुद्दे पर मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से वार्ता करने का आश्वासन दिया।

सड़क की गुणवत्ता खराब मिलने पर मिला नोटिस

प्रयागराज। नैनी क्षेत्र में सड़क बनाने वाली एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने शनिवार को नैनी में चल रहे कामों का निरीक्षण किया तो सड़कों का निर्माण मानक के अनुरूप नहीं मिला। निरीक्षण के दौरान नगर निगम काम की गुणवत्ता देखकर कई बार नाराज हुए। मौके पर ही नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता से कार्यदायी एजेंसियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। मुख्य अभियंता दिनेश चंद्र सचान ने बताया कि सभी एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। काम में सुधार नहीं होने पर एजेंसियों को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। अब नगर निगम की ओर से कराए जा रहे हर काम की निगरानी होगी।

झमाझम बारिश में सावन से पिछड़ रहा भादो

प्रयागराज। सावन और भादो बारिश के लिए खास माना जाता है। इन दो महीनों की रिमझिम बारिश के साथ मूसलाधार बारिश होती है। बारिश का प्रभाव खेती–किसानी से लेकर लोगों के जनजीवन पर पड़ता है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले दो साल से भादो अपेक्षा सावन में अधिक बारिश हुई। मौसम में बदलाव से इस बार सावन में ही भादो सी मूसलाधार बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिक आकाश मिश्र के अनुसार इस बार सावन मास (11 जुलाई से नौ अगस्त) तक 388.9 मिमी बारिश हुई। जबकि 2024 के सावन मास में (22 जुलाई से 18 अगस्त) 320.5 मिमी बारिश हुई थी। यानी इस पिछले साल की अपेक्षा इस बार सावन में 68.4 मिमी बारिश अधिक हुई। जबकि इस वर्ष भादो मास (10 अगस्त से 07 सितंबर) तक 209.6 मिमी बारिश हुई। वहीं 2024 के भादों मास में (19 अगस्त से 17 सितंबर तक) 135. 4 मिमी बारिश हुई थी। यानी पिछले साल की अपेक्षा इस बार भादो में 74.2 मिमी बारिश हुई। इस तरह दोनों साल में भादो की अपेक्षा सावन में अधिक बारिश हुई।

15 लाख सदस्यों का परिवार बनेगा लायंस क्लब इंटरनेशनल

प्रयागराज। लायंस क्लब इंटरनेशनल के मिशन 1.5 के तहत रविवार को लायंस जिला–3161 आंध्र प्रदेश की बैठक सिविल लाइंस स्थित एक होटल में आयोजित की गई। इस मौके पर लायन अध्यक्ष आई. प्रसाद ने कहा कि लायंस 3161 पिछले 108 वर्षों से जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रहा है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित है। मुख्य अतिथि वंदना दुबे ने क्लब के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। प्रयागराज में पहली बार आंध्र प्रदेश से क्लब के 100 से अधिक सदस्यों में स्थानीय क्लब प्रतिनिधियों से मिलकर लायंस क्लब इंटरनेशनल के विकास पर चर्चा की। लायन ऋषि सेठी ने कहा कि लायंस क्लब इंटरनेशनल की सदस्य संख्या जून 2026 तक 15 लाख करने का लक्ष्य है। लायन सुशील कुमार शुक्ल,लायन सीरीरामालू, पी अंजेन्युलु ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर इरा सेठी, जया खरे, हेमा अग्रवाल, शिवाली पीटर, रानी गुप्ता, मुकेश अग्रवाल मौजूद रहे।

आधार कार्ड में संशोधन से मना करने पर घर से घसीटकर पीटा

प्रयागराज। दारागंज के बक्शी खुर्द में जनसेवा केंद्र में आधारकार्ड में संसोधन करने से मना करने पर घर से घसीटकर पीटने का मामला सामने में आया है। आरोप है कि तमंचा व चाकू दिखाकर जान से मारने तक की धमकी दी गई। दारागंज पुलिस तीन नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी है। बक्शी खुर्द निवासी राजेश कुमार पटेल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह घर पर ही जनसेवा केंद्र के माध्यम से जीविकोपार्जन करता है। आरोप है कि अजय यादव व संतोष आधारकार्ड संसोधन कराने के लिए केंद्र पर आए थे। तकनीकी कारणों से राजेश ने संशोधन करने से मना कर दिया।

इससे नाराज होकर आरोपियों ने राजेश के घर पर चढ़ गए। घर के अंदर से घसीटकर मारपीट की। तमंचा व चाकू दिखाकर पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच–बचाव किया। दारागंज पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

कृषि विभाग ने 37 को जारी किया नोटिस, तीन पर एफआईआर

प्रयागराज। कृषि विभाग की टीम ने जिले में खाद वितरण में अनियमितता पाए जाने पर 37 समितियों को नोटिस जारी किया है। वहीं तीन समितियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। कृषि विभाग के मुताबिक जिले भर में 188 समितियां सक्रिय है जहां से किसानों को खाद उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि विभाग की टीम की ओर से खीरी, प्रतापपुर, कोरांव, शंकरगढ़ समेत अन्य इलाकों में जांच के दौरान निजी और सहकारी समितियों पर अनियमितता पाएं जाने पर 37 संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसमें खाद बोरी की गणना और वजन के लिए पीएस मशीन न होना, इंट्री रजिस्टर न मौजूद होना समेत अन्य खामियां पाई गई हैं।

वहीं, तीन समितियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इसके साथ ही विभिन्न उवर्रकों के 105 नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। अपर जिला कृषि अधिकारी विकास मिश्रा ने बताया कि किसान संतुलित मात्रा में ही खाद का प्रयोग करें, भंडारण करने की आवश्यकता नहीं है। खाद समितियों पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जा रही है।

हिंदी दिवस समारोह में काव्य पाठ प्रतियोगिता

प्रयागराज। मधु वाचस्पति इंटर कॉलेज सुलेम सराय में शनिवार को हिंदी दिवस मनाया गया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, संस्कृत श्लोक और काव्य पाठ प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने ज्ञज्ञान का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्तराखंड शिक्षा बोर्ड के सेवानिवृत्त हिंदी प्रवक्ता कल्याण सिंह एवं कवयित्री नूतन प्रयागराजनी ने किया। प्रधानाचार्या शारदा मिश्रा ने हिंदी भाषा, साहित्य के विकास और संवर्धन की जानकारी देने के साथ व्यवहार में हिंदी को अपनाने की सीख दी।

सड़क के गड्ढों में भरा कीचड़ युक्त पानी, पटरी और नालियों पर अतिक्रमण से परेशानी

प्रयागराज। उरुवा सरकार के दावे को ठेंगा दिखाती सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे बन चुके हैं। जिस पर गुजरना हादसे को दावत देना ही रह गया है। सड़कों पर बने गड्ढों में बारिश के दौरान जलभराव राहगीरों के लिए भारी समस्या बन रही है। वहीं क्षेत्र की सड़कों पर बाजारों में लोग नालियां पाटकर पटरियों पर कब्जा जमाए हुए साइन बोर्ड और दुकानें लगा रखे हैं, जिसके कारण जाम लगना और दुर्घटना होना आम हो गया है। कमोबेश यही स्थिति कई सड़कों की है जो इस बारिश में उखड़ चुकी हैं और उन पर बने गड्ढों में जल जमाव के कारण राहगीरों को खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों इसकी शिकायत तो बहुत की लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। आने वाले समय में प्रशासन नहीं चेता तो नवरात्र और दशहरा के दिनों में राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीण सड़कों पर जलजमाव और घरों से निकलने वाले गंदे पानी ने आमजन का जीना मुश्किल कर दिया है। हालात यह है कि राहगीरों को रोज़ाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि प्रशासन इस समस्या से निजात दिलाने में नाकाम साबित हो रहा है। वहीं, प्रदेश सरकार की नीतियां भी ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पा रही हैं। इसके कारण आम लोगों की दिक्कतें लगातार बढ़ रही हैं। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि जल्द से जल्द स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि बरसात या नाली के गंदे पानी से होने वाली परेशानियों से छुटकारा मिल सके। उरुवा ब्लॉक की अनेक बाजारों में जल निकासी की व्यवस्था नाकाफी मिली। जिसमें उरुवा ब्लॉक के रामनगर, उंचडीह और अमिलहवा बाजार की सड़कों पर अनेक स्थानों पर जल जमाव देखने को मिला। जिसके कारण राहगीरों को हो रही मुशीबत को दर्शाया गया। उक्त सभी स्थानों के निवासियों ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए सरकारी योजनाओं के सही ढंग से क्रियान्वयन न होने की बात कही। उरुवा के चौकी–दिघिया मार्ग स्थित अमिलहवा बाजार में सड़क पर भारी जलजमाव की समस्या बनी हुई है। इसके चलते मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और बाजारवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में यह समस्या और भी विकराल रूप ले लेती है। बाजारवासियों ने बताया कि यदि सड़क किनारे बनी नालियों की नियमित सफाई हो और उनका विस्तार किया जाए, तो वर्षा जल व घरेलू गंदे पानी की सही निकासी संभव हो सकेगी। इससे सड़क पर जलजमाव नहीं होगा और आमजन को राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द नालियों की सफाई एवं चौड़ीकरण कराने की मांग की है, ताकि अमिलहवा बाजार की जनता को इस समस्या से निजात मिल सके। घ्उंचडीह में सड़क गड्ढों में तब्दील, राहगीर परेशान विकास खंड क्षेत्र उरुवा के दिघिया चौकी मार्ग पर उंचडीह बाजार में सड़क जगह जगह पानी भर जाने से गड्ढों में तब्दील हो गयी है। ऐसे में उक्त पानी भरे जर्जर मार्ग से आवागमन में राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जबकि उक्त मार्ग तरहार क्षेत्र से मिर्जापुर प्रयागराज से जुड़ा होने के कारण रात–दिन व्यस्त रहता है। उक्त मार्ग पर कई नर्सरी और परिषदीय विद्यालय हैं। बारिश होने से उक्त मार्ग पर सोनार का तारा चौराहे से उंचडीह बाजार में जगह जगह बड़े बड़े गड्ढे बन गए है। जिसमें हर जगह कीचड़युक्त गंदा पानी पूरी सड़क पर फैला रहता है। ऐसे में आए दिन बाइक व साइकिल सवार राहगीर और

स्कूली बच्चे गिरकर चुटहिल होते रहते हैं। मार्ग के रखरखाव व मरम्मतीकरण की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग की है,लेकिन कई महीने बीत गए उक्त मार्ग जर्जर दशा में बना हुआ है। उंचडीह बाजार के बुद्धसेन वर्मा,राजेश कुमार,गुड्डू मिश्र,रवि केसरी,आनंद गुप्ता,डॉ. वीर प्रताप मौर्य सहित अनेक लोगों ने बताया कि नालियां न होने और बाजार के निवासियों के घरों का गंदा पानी बहने के कारण सड़क बार बार गड्ढों में तब्दील हो जाती है,जिसके कारण राहगीरों को भारी मुशीबत का सामना करना पड़ता है। उक्त मार्ग के सुधार हेतु विभागीय अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई परंतु जर्जर और गड्ढों में तब्दील सड़क की दशा में सुधार नही हो पाया। घ्बारिश के पानी से सड़क पर जलजमाव बारिश का पानी भरा होने से सड़क पूरी तरह से कीचड़ युक्त हो गयी है। जिसके कारण राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उरुवा विकास खंड क्षेत्र के चौकी दिघिया मार्ग पर रामनगर बाजार स्थित चिरैया मोड़ पर बारिश के कारण भारी जल भराव हो गया है। जल भराव इतना है कि सड़क जलमग्न होकर ताल तलैया का रूप ले कीचड़ युक्त हो चुकी है। जिसके कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाजार के लोगों ने बताया कि सड़क किनारे बनी नालियां मिट्टी भर जाने के कारण चोक हो चुकी हैं। जिसके कारण जल निकासी नही हो पाती और पानी सड़क पर ही जमा रहता है। वहीं बाजार के व्यापारियों ने भी अपने अपने घरों के सामने मिट्टी पाटकर ऊंचा कर रखा है जिसके कारण पानी सड़क पर ही बहता रहता है और इसका खामियाजा राहगीरों को भुगतना पड़ता है। राहगीर अक्सर सड़क पर बहते पानी में फिसलकर गिरते हैं और चोटिल हो जाते हैं। लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि उक्त समस्या से निजात दिलाई जाय,जिससे आम नागरिकों का आवागमन सुचारु रूप से हो सके। बोले जिम्मेदार इस संबंध में लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखा गया है। जल्द ही जलभराव की समस्या से लोगों को निजात मिलेगी और पटरियों पर अतिक्रमण के लिए राजस्व और पुलिस टीम लगाकर कार्रवाई की जाएगी। – सुरेंद्र प्रताप यादव, एसडीएम, मेजा विशेष मरम्मत योजना के तहत नाली बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है। पटरियों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। –मो. अरशद, एई, पीडब्ल्यूडी हमारी भी सुनें उंचडीह बाजार में सड़क का पटरियों की हालत बदतर है। जल निकासी की व्यवस्था न होने से जल भराव के कारण सड़क पर गड्ढे बन गए हैं। जल्द से जल्द समस्या का समाधान होना जरूरी है। – बुद्धसेन वर्मा, उंचडीह बाजार साइकिल से स्कूल जाने वाले बच्चे सड़क पर बने गड्ढों में जल जमाव के कारण गिरकर चोटिल होते रहते हैं,सड़क किनारे नाली बनाकर जल निकासी की समस्या का निदान जरूरी है। – डॉ. राजेश्वर प्रसाद,उंचडीह सोनारकातारा उंचडीह बाजार में सड़क पर पानी और गड्ढों में कीचड़ होने से बच्चों को स्कूल जाने में दिक्कत होती है, जिसका समाधान जरूरी है। इस पर जिम्मेदार लोगों को ध्यान देना चाहिए तभी समस्या दूर हो पाएगी। – अजय उपाध्याय, समाजसेवी, रामनगर रामनगर बाजार में सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण की भरमार है। जिससे आवागमन में भारी परेशानी होती है। अतिक्रमण हटाकर रास्ता सुगम बने तो राहगीरों को राहत मिले। अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाना चाहिए। – चंदन सिंह,रामनगर रामनगर चिरैया मोड़ पर जल निकासी के लिए नालियां बनी होती तो सड़क पर पानी जमा होने की नौबत ही ना आती। शिकायत करने पर भी समस्या जस की तस बनी है। आने वाले दिनों में इससे परेशानी और बढ़ेगी। – नीरज सिंह यादव, रामनगर अमिलहवा में सड़क किनारे नालियां और सड़क की पटरियां बनने से जल निकासी की समस्या से निजात मिलेगी। इस ओर कई बार लोगों ने अफसरों का ध्यान आकृष्ट कराया लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकला। – विनय कुमार शर्मा उर्फ बंटू भाई,समाजसेवी छतवा सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण के कारण पहले से ही परेशानी थी। सड़क पर पानी भरा होने से आवागमन की समस्या और बढ़ गई है। जिसका निदान जरूरी है। यहां प्रशासन को अभियान चलाना चाहिए तभी समस्या दूर होगी। – गुड्डू भाई,अमिलहवा सड़क पर गंदा पानी जमा होने के कारण व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। ग्राहक दुकान तक नहीं पहुंच पाते। सड़क किनारे नालियां बने तो समस्या से छुटकारा मिले। इससे सफाई व्यवस्था भी दुरुस्त हो जाएगी। – अखिलेश शुक्ल,व्यापारी रामनगर

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देगा राजरूपपुर का पंडाल

प्रयागराज। सूबेदारगंज व राजरूपपुर दुर्गा पूजा समिति अपने 48वें दुर्गा पूजा महोत्सव को लीक से हटकर मनाने की तैयारियों में जुटी हुई है। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने और जनमानस को उसके लिए जागरूक करने के उद्देश्य को लेकर समिति अपने महोत्सव को मनाने जा रही है।

समिति से जुड़े 11 स्कूली बच्चे अपनी चित्रकारी के जरिए पंडाल के भीतर पेड़ की कटाई, एक पेड़ अपने माता–पिता के नाम जैसे चित्रों को थर्माकोल से प्रदर्शित करेंगे। पर्यावरण संरक्षण को समर्पित इस बार का महोत्सव कराने का निर्णय समिति के अध्यक्ष सुब्रत गुहा, सचिव उज्जवल व महोत्सव संयोजक समीर भट्टाचार्य ने तीन महीने लिया था। राजरूपपुर स्थित पूजा पार्क में दस अगस्त से पंडाल तैयार कराया जा रहा है। कोलकाता से आए सात कारीगर दस अगस्त से 65 फीट ऊंचा, 45 फीट चौड़ा व 80 फीट लंबा पंडाल बना रहे हैं। पंडाल के मुख्य द्वार को मंदिर के द्वार जैसा बनाया जा रहा है। रंगबिरंगी रोशनी के बीच थर्माकोल से निर्मित दर्जनों चित्रों को प्रदर्शित किया जाएगा। नवरात्र की पंचमी तिथि को पार्क में आनंद मेला का आयोजन किया जाएगा।

षष्ठी तिथि पर मां दुर्गा का आह्वान कर पूजन–अर्चन किया जाएगा। संयोजक समीर भट्टाचार्य ने पिछले कई वर्षों में आयोजित महोत्सव के दौरान हजारों की संख्या में लोग पंडाल में आते रहे हैं। इसलिए इस वर्ष महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण के लिए हर किसी को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। सप्तमी से नवमी तिथि तक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

महिला समेत दो लोगों के साथ साइबर ठगी

प्रयागराज। साइबर अपराधी नए–नए हथकंडे अपनाकर लोगों से ठगी कर रहे हैं। झलवा के एक व्यक्ति को प्रतिष्ठित सीमेंट कंपनी के कस्टमर केयर को फोन करना महंगा पड़ गया। वहीं करेली की एक महिला को रुपये भेजने का झांसा देकर ठगी कर ली गई।

पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र ग्रीन वेली कॉलोनी झलवा निवासी विपिन बिहारी राय ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्होंने एक सीमेंट कंपनी के टोल फ्री कस्टमर केयर नंबर पर फोन किया। कॉल रिसीव करने वाले ने अपना नाम मनीष बताया। उसने कुछ देर बाद विपिन बिहार के व्हाटसएप नंबर पर फोन किया। शातिर ने झांसे में लेकर 98 हजार रुपये की चपत लगा दी। ठगी का शिकार होने की जानकारी होने पर विपिन ने तत्काल बैंक को सूचित किया। उधर, चित्रकूट जिले की मूल निवासी कंचन शुक्ला वर्तमान में अल्लापुर में किराए का कमरा लेकर रहती है। उनके पास एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि उनके पति के बैंक खाते से पैसा भेज रहा है। मोबाइल पर मैसेज देख लीजिए। इसके बाद शातिर ने फोन कर बोला कि गलती से बीस हजार रुपये चला गया है। उस पर विश्वास कर कंचन ने उसके खाते से 18038 रुपये वापस कर भेज दिया। लेकिन, बाद में ठगी का शिकार होने की जानकारी होने पर डायल 1930 को फोन कर शिकायत किया। पुलिस की मदद से 2038 रुपये वापस हुए, लेकिन रुपये वापस नहीं हुए हैं।

अधिवक्ता पर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। अधिवक्ता अरविंद प्रताप सिंह व उनके साथियों पर जानेलवा हमला और 10 लाख रुपये रंगदारी मांगने वाले दो नामजद आरोपियों को पुलिस ने रविवार की देर शाम गिरफ्तार किया। सिविल लाइंस पुलिस ने दोनों आरोपी अंकित केसरवानी व उज्जवल केसरवानी को जेल भेज दिया। वहीं, नामजद मुख्य आरोपी 25 हजार इनामी विपिन गुप्ता अल्लू समेत मयंक व राहुल यादव की तलाश जारी है। कालिंदीपुरम निवासी अधिवक्ता अरविंद प्रताप सिंह व उनके अधिवक्ता साथी जेपी पांडेय व परवेज खान पर एक सितंबर की रात यात्रिक चौराहे पर हमला किया गया था। आरोपियों ने फायरिंग करते हुए 2200 रुपये नकदी लूटने के साथ ही 10 लाख रुपये रंगदारी देने की धमकी दी थी।

अधिवक्ता अरविंद प्रताप सिंह की तहरीर पर दो अगस्त को सिविल लाइंस पुलिस ने खुल्दाबाद निवासी विपिन गुप्ता अल्लू, उज्जवल केसरवानी, अंकित केसरवानी, राहुल यादव व मयंक के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की थी। एसीपी सिविल लाइंस कृतिका शुक्ला ने बताया कि नामजद आरोपी उज्जवल व अंकित को गिरफ्तार कर लिया गया है। जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उमस बढ़ते ही बिजली कटौती ने छुड़ाए पसीने

प्रयागराज। शहर में उमसभरी गर्मी के बीच बिजली की ट्रिपिंग ने उपभोक्ताओं को बेहाल कर दिया। एक ओर बिजली विभाग की ओर से घोषित कटौती हो रही है, वहीं दूसरी ओर तकनीकी खराबी और ओवरलोड की वजह से कटौती ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शनिवार रात दारागंज के बक्शी बांध और राजापुर समेत शहर के कई इलाके में बिजली गुल रही तो रविवार को भी ट्रांसपोर्ट नगर, कसेंदा, गंगा विहार कॉलोनी, नंदगांव, अटाला और मस्तान मार्केट में सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक बार–बार ट्रिपिंग होती रही। लोगों के लगातार फोन करने पर संबंधित उपकेंद्रों के कर्मचारियों ने बताया कि ओवरलोड की वजह से लाइन में तकनीकी खराबी आ रही है।

बिजली कटौती के कारण पेयजल संकट से भी लोगों को जूझना पड़ा। उधर बेनीगंज, गढ़ी सराय और हड्डी गोदाम मोहल्लों में शनिवार देर रात लगभग 2 बजे से लो वोल्टेज की समस्या खड़ी हुई, जो रविवार शाम 4 बजे तक बनी रही। इसके अलावा एलनगंज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय मार्ग, डांडी और महेवा में भी कटौती का असर देखने को मिला। बिजली विभाग ने सोमवार को भी कई मोहल्लों में घोषित कटौती की सूचना जारी की है।

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के हिन्दी विभाग में हिन्दी दिवस बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने की ।प्रो.आशुतोष कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी केवल हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता की सशक्त कड़ी भी है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे हिन्दी को ज्ञान–विज्ञान, प्रौद्योगिकी और रोजगार की भाषा के रूप में अपनाएँ।

इस अवसर पर विभाग द्वारा निबंध, कविता–पाठ एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। विजेताओं को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अलका मिश्रा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अजीत सिंह ने प्रस्तुत किया। समारोह में विश्वविद्यालयी प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

पिछड़ों में संविधान आरक्षण बचाने की जागरूकता लायेंगे

सपा के पिछड़ा वर्ग नेताओं की विचार गोष्ठी में निर्णय

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन ने बताया कि समाजवादी पार्टी के पिछड़ा समाज के नेताओं के वरिष्ठ नेताओं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण विचार गोष्ठी कर्ण पैलेस अलमासपुर में बनारसी दास की अध्यक्षता व सपा नेता डॉ नरेंद्र सैनी के संचालन में संपन्न हुई।

विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए सपा प्रदेश सचिव विनय पाल सपा प्रदेश सचिव बृजराज सैनी सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामलाल बच्ची सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार में लगातार पिछड़ों के अधिकारों व राजनीतिक हिस्सेदारी का हनन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान व आरक्षण का लाभ एक साजिश के तहत पिछड़ों से छीना जा रहा है,केवल समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ही पिछड़ों अति पिछड़ों के अधिकारों व राजनीतिक हिस्सेदारी की आवाज बन रहे हैं। सपा पूर्व जिलाध्यक्ष सतेंद्र सैनी,सपा पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष सतीश गुर्जर, सपा नेता दर्शन सिंह धनगर ने कहा कि समाजवादी पार्टी हर पिछड़े व अति पिछड़ों को अधिकार व सम्मान देने में आगे है इसलिए समाजवादी पार्टी के इस संदेश को पीडीए पंचायत के माध्यम से पहुंचाकर जागरूक किया जा रहा है। सपा नेत्री व पूर्व जिला पंचायत सदस्य दीप्ति पाल सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य धनवीर कश्यप ने कहा कि वोट चोरी व सांप्रदायिक मुद्दों को लाकर भाजपा पिछड़ों के मुद्दों को दबाने व शोषण करने का कार्य कर रही है इसलिए पिछड़ा समाज भाजपा की इस साजिश से पिछड़ों को सावधान करने का अभियान जारी रखेगा। सपा पिछड़ा वर्ग के नेताओं की विचार गोष्ठी में मुख्य रूप से सपा पिछड़ा वर्ग प्रदेश सचिव सुमित पंवार बारी,बिल्लू प्रजापति,सपा नेता पंकज सैनी,सुरेश प्रजापति सपा नेता पवन पाल,प्रधान महेंद्र सैनी, हरिओम,पूर्व प्रधान सेवाराम,मनोज सैनी, धर्मपाल,श्रवण कश्यप सहित अनेक पिछड़ा समाज के व्यक्ति मौजूद रहे।

शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी दिवस का आयोजन

मुजफ्फरनगर। शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय माधवपुरम मेरठ में आज दिनाँक 15– 09– 2025 को हिन्दी दिवस का अत्यंत हर्षोल्लास से आयोजन किया गया जिसमें कई छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य एवं प्राध्यापकगणों द्वारा ज्ञानदायिनी,वीणापाणी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात हिन्दी विभाग द्वारा महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.)अंजू सिंह को एक पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो0 (डॉ0) सुधा रानी सिंह, डी0 लिट्0 ने किया।

कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम शोधार्थी जितेंद्र सिंह ने अपने भाषण में हिन्दी के महत्व का उल्लेख किया । तत्पश्चात बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा अनुराधा ने मनमोहक नृत्य करके हिन्दी के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित किया। प्रीति निषाद, उरुसा फारुकी तथा गुनगुन आदि छात्राओं ने प्रभावी भाषण प्रस्तुत किया। इकरा और तनीषा ने शानदार कविता के माध्यम से हिन्दी के प्रति प्रेम दर्शाया वहीं तान्या ने एक मधुर गीत के साथ हिन्दी का गौरव बढ़ाया। शोधार्थियों की श्रृंखला में विशाल सरोज, अरुण कुमार, श्री कृष्ण यादव तथा ज्योति देवी ने स्वरचित काव्य पाठ किया। हिन्दी विभाग की प्राध्यापिका डॉक्टर नीता सक्सेना ने भी स्वरचित काव्य पाठ किया । बीए प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक लघु नाटिका का सुंदर मंचन किया गया। इस अवसर पर प्रो0 भारती दीक्षित ने दैनिक जीवन में हिन्दी के घटते प्रयोग पर चिंता व्यक्त की तथा प्रो0 लता कुमार ने हिन्दी के प्रयोग के प्रति व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। प्रोफेसर सुधा रानी सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिन्दी सिर्फ सरकारी कामकाज तक ही सीमित ना रहे, इसका इस्तेमाल प्रत्येक क्षेत्र में किया जाना चाहिए । अपनी भाषा का सम्मान करना तथा नई पीढ़ी को हिन्दी की समृद्ध विरासत से परिचित कराना प्रत्येक भारतवासी का कर्तव्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) अंजू सिंह ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि–शहिन्दी ने हमें विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। हमें गर्व से इसका प्रयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रोफेसर मंजू रानी, प्रोफेसर मोनिका चौधरी, निरुपमा तथा मनीषा भूषण सहित अनेक प्राध्यापकगण एवं छात्राएँ उपस्थित रहे।

वाल्मीकि समाज और अति दलित जातियों को पृथक आरक्षण उत्तर प्रदेश में लागू किया जाए: राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा की मेरठ में प्रमुख पदाधिकारियो की एक बैठक विनोद बच्चन मेरठ मंडल अध्यक्ष की अध्यक्षता तथा जिला अध्यक्ष नितिन शेर के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भगवत प्रसाद मकवाना राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय क्रांतिकारी मोर्चा एवं सदस्य सेंट्रल मॉनिटरिंग कमेटी भारत सरकार एवं राज्य मंत्री उत्तराखंड सरकार उपस्थित रहे। बैठक में वाल्मीकि समाज की प्रमुख ज्वलंत समस्याओं जैसे अनुसूचित जाति आरक्षण के संबंध में 1 अगस्त 2024 को मान्य उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय अनुसार वाल्मीकि समाज और अति दलित जातियों को पृथक आरक्षण उत्तर प्रदेश में लागू किया जाए, भगवान महर्षि वाल्मीकि जयंती को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया जाए, वर्षों से संविदा एवं आउटसोर्स में कार्यरत सफाई कर्मियों को स्थाई किया जाए, सभी निकायों के बढ़ते क्षेत्रफल एवं आबादी को दृष्टिगत रखते हुए सफाई कर्मचारियों की नई स्थाई भर्ती शुरू की जाए तथा सफाई कार्य में ठेकेदारी प्रथा समाप्त की जाए एवं उत्तर प्रदेश में अन्य आयोगो की भांति सफाई कर्मचारियों के हितों के संरक्षण हेतु राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया जाए तथा वाल्मीकि समाज को सरकार और संगठन में भागीदारी दी जाए।

मोर्चा की बैठक में तय हुआ कि उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में वाल्मीकि समाज की ज्वलंत उपरोक्त समस्याओं के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार का ध्यान आकर्षित कराने हेतु उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में आगामी 26 सितंबर 2025 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किए जाएंगे इसके अलावा क्षेत्रीय सांसद विधायक महापौर एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत को भी ज्ञापन प्रेषित कर वाल्मीकि समाज की समस्याओं का समाधान करने हेतु सरकार एवं जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया जाएगा।

मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष राज्य मंत्री उत्तराखंड सरकार भगवत प्रसाद मकवाना ने अपने संबोधन में कहा कि वाल्मीकि समाज हिंदुत्व एवं भारतीय जनता पार्टी के लिए समर्पित समाज है प्रदेश सरकार को वाल्मीकि समाज की समस्याओं का समाधान करने की आवश्यकता है योगी सरकार उत्तर प्रदेश के चौमुखी विकास एवं समाज के कमजोर वर्गों के विकास के लिए संकल्पित है किंतु यह भी सत्य है कि वाल्मीकि समाज की महत्वपूर्ण समस्याएं काफी समय से लंबित चल रही हैं जिनका समाधान किया जाना आवश्यक है वाल्मीकि समाज अनुसूचित समाज में सबसे निचले पायदान पर खड़ा है। वाल्मीकि समाज और वंचित जातियों को अनुसूचित जाति आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने सामाजिक न्याय कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर 2001 में अति दलित अति पिछड़ों के लिए पृथक आरक्षण राज्य में लागू किया था।

इसको पुनः सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त 2024 के निर्णय के अनुसार लागू किया जाना आवश्यक है । पूर्व में उत्तर प्रदेश में भगवान वाल्मीकि जयंती पर राजकीय अवकाश था उसको योगी सरकार को शीघ्र राजकीय अवकाश घोषित करना चाहिए भगवान श्री राम को मानने वाली सरकार महर्षि वाल्मीकि जी के अनुयाई समाज के हितों के प्रति संवेदनशील होनी चाहिए उनकी भावनाओं एवं समस्याओं का ध्यान रखा जाना चाहिए वर्षों से नगर पालिकाओं में सफाई कर्मचारी संविदा और आउटसोर्स में कार्य कर रहे हैं सफाई कर्मियों को नियमित किया जाए राज्य में सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की भी सख्त आवश्यकता है अधिकारी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के निदान के लिए उदासीनता बरत रहे हैं। प्रदेश के सभी शहरों में आबादी और क्षेत्रफल में बहुत बड़ी बढ़ोतरी हो चुकी है किंतु वर्षों से सफाई कर्मचारियों की राज्य में भर्ती नहीं की गई है तथा निरंतर सफाई कर्मचारी सेवानिवृत हो रहे हैं इसलिए सफाई कर्मचारियों की भर्ती होने से प्रधानमंत्री जी के ड्रीम प्रोजेक्ट स्वच्छ भारत अभियान को भी बल मिलेगा।

मकवाना ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को भी वाल्मीकि समाज की इन ज्वलंत समस्याओं के समाधान में अपना सहयोग प्रदान करना चाहिए संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस दिशा में प्रदेश सरकार का ध्यान आकर्षित करने हेतु जन जागरण अभियान करेंगे तथा ज्ञापन सौंपेंगे उसके उपरांत नवंबर माह में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ तथा मंत्री गण सांसद विधायक महापौर आदि आमंत्रित किया जाएगा। मकवाना ने मोर्चा के सभी पदाधिकारी से अपेक्षा की है कि वह समाज के अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने के लिए मेहनत करें मोर्चा लगभग पिछले 28 वर्षों से देश के विभिन्न राज्यों में समाज को संगठित करने और शिक्षा के प्रचार प्रसार के साथ–साथ संघर्ष के माध्यम से समाज की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

बैठक में मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भागवत प्रसाद मकवाना उपाध्यक्ष राज्य मंत्री उत्तराखंड सरकार, एवं सदस्य सेंट्रल मॉनिटरिंग कमेटी भारत सरकार ,प्रदेश उपाध्यक्ष मोर्चा एवं नगर निगम मेरठ में सफाई कर्मचारी यूनियन के पूर्व महामंत्री शिव कुमार नाज, मंडल अध्यक्ष मोर्चा विनोद बच्चन , जिला अध्यक्ष मेरठ नितिन शेर, जिला महामंत्री सनी मकवाना , अजय मेहरौली भाजपा नेता अर्जुन करोतिया, मिलन लोहित, जितेंद्र शेर मंडल उपाध्यक्ष, संदीप आचार्य, प्रवीण भगवाने, प्रमोद पार्चा, संजय सिंह, आकाश लोहित आदि मौजूद रहे।

एनयूजे प्रयागराज 28 सिप्तम्बर को शहीद भगत सिंह की जयंती व्यापक स्तर पर आयोजित करेगा, जिला इकाई ने की उप समीतियां गठित

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज जिला इकाई की बैठक डायट सभागार मे सम्पन्न हुई । बैठक मे संरक्षक पवन दिवेदी संरक्षक परवेज आलम की उपस्थित मे जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव की अध्यक्षता मे तथा संचालन उमेश श्रीवास्तव वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने की । बैठक की शुरूआत प्रस्तावित मुदो को अखिलेश शुक्ला संगठन मंत्री ने सदस्यो के समक्ष रखा जिसमे संगठन के सुचारू संचालन हेतू उप समीतियाँ गठित की गयी।

स्थायी अनुशासन समीति मे पवन दिवेदी संरक्षक परवेज आलम संरक्षक उमेश श्रीवास्तव वरि उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला संगठन मंत्री अनिल त्रिपाठी कार्यकारिणी सदस्य नामित किए गए।

सदस्यता जाँच समीति के लिए

चित्रांशी यादव आयुष श्रीवास्तव (उपाध्यक्ष) कुलदीप सिंह इरफान खान (मंत्री) मो नसीम देवाशीष श्रीवास्तव (प्रभारी जमुना पार) मो0 शकील खान (कार्यकारिणी सदस्य) नामित किए गए।

सुरक्षा समीति

आयुष श्रीवास्तव कुलदीप सिंह शनी केसरी मो शकील खान मो नसीम देवाशीष श्रीवास्तव इरफान खान शामित किए गए।

सोशल मिडिया टीम

धर्मेंद्रं कुमार श्रीवास्तव आयुष श्रीवास्तव उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला संगठन मंत्री कुलदीप सिंह इरफान खान मंत्री शनी केसरी मिडिया प्रभारी नामित किए गए। यह सारी उय समीतिया सर्व सम्मति से गठित हुआ।

बैठक को सम्बोधित करते हुए संरक्षक पवन दिवेदी ने कहाँ कि संगठन मे धन की कमी नही आने दिया जाएगा । संरक्षा पवन दिवेदी ने कहाँ संगठन मे संयम और अनुशासन बनाए रखे यही हमारी पहचान है। संरक्षक परवेज आलम ने कहाँ कि संगठन के सभी पदाधिकारियो सदस्यो के मान सम्मान का पूरा ध्यान रखा जा रहा है । सदस्यो के सभी समस्याओ पर संगठन गौर करता है यथासम्भव पूरा प्रयास रहता है कि सदस्यो के समस्या का समाधान हो जाए। संगठन मे अनुशासन एकता भाइचारा तथा संगठित रहे हम देशव्यापी संगठन है इस लिए अनुशासन जरूरी है यही हमारी पहचान है। अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहाँ संगठन मे सभी सदस्य अनुशासित रहे देशव्यापी संगठन होने के नाते हम सबका दायित्व है संगठन सभी सदस्यो के सम्मान की रक्षा करना संगठन का दायित्व है।

हम अपने पूर्वजो के सम्मान करे यह भी हमारी दायित्व इसी श्रृखंला मे महान देशभक्त अमर शहीद भगत सिंह जयंती 28 सिप्तम्बर को व्यापक स्तर पर मनाएगा जिसके के लिए एक कमेटी गठित कर दिया गया है।

बैठक मे सर्वश्री पवन दिवेदी परवेज आलम कुन्दन श्रीवास्तव उमेश श्रीवास्तव अखिलेश शुक्ला आयुष श्रीवास्तव चित्रांशी यादव धमेद्रं कुमार श्रीवास्तव बीरेद्रं कुमार श्रीवास्तव बी के यादव मनीष दिवेदी मधुर दरबारी कुलदीप सिंह राम बाबू इरफान खान रंजीत निषाद सौरभ आदर्श शिव पान्डेय शनी केसरी ब्रिजेश केसरवानी मो नसीम देवाशीष श्रीवास्तव मो0 शकील खान अनिल त्रिपाठी भाल चद्रं पान्डेय नफीस अहमद अशरफ अली मूलचद्रं भारती शिव जी मालवीय गौरव त्रिपाठी मनोज कुमार शेखर आजाद राकेश कुमार पाल सत्यम कुमार निषाद राम कैलाश कन्नौजिया आनन्द श्रीवास्तव अनिरूद त्रिपाठी संजय निषाद देवेद्रं शुक्ला अमित श्रीवास्तव अनूप रावत रतन शुक्ला बी पी यादव जितेद्रं कुमार सिंह अजय सिंह अभिषेक कुमार मो0 शाहिद डी एन यादव आदि सदस्य उपस्थित रहे।

देवों की अपराजिता

(कुण्डलिया)

इन्द्रदेव के बाग़ का, है पावन इक फूल।
देव कहें अपराजिता, नाम बहुत माकूल।
नाम बहुत माकूल, लताएँ लगती प्यारी।
औषधि से भरपूर, फूल की छटा निराली।
सुन लो कहें प्रदीप,न रखते भाव द्वेष के।
गाते है ये गीत, हमेशा इन्द्रदेव के।

देवों की अपराजिता, सबकी बन अभिप्रेत।
कहीं लाल नीला दिखी, कहीं बैंगनी श्वेत।
कहीं बैंगनी श्वेत, पुष्प लगते हैं प्यारे।
जिसको सुबहो–शाम, सूर्य संग चन्द्र निहारे।
सुन लो कहें प्रदीप,बात सुनकर लोगों की।
सबको दे मुस्कान, करे बातें देवों की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शिक्षा सोपान के कवि सम्मेलन में कवियों ने तालियां बटोरी

कानपुर। शिक्षा सोपान आश्रम नानकारी में तीन दिवसीय नेस्ट प्रतियोगिता में देश के विभिन्न प्रदेशों से विद्यार्थी और उनके अभिभावक शामिल हुए।प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार 14 सितंबर हिन्दी दिवस के अवसर पर को जिज्ञासु विद्यार्थियों को साहित्य कला व संस्कृति से जोड़ने के लिए नेशनल अन्वेशिका नेट वर्क आफ इण्डिया के नेशनल कोऑर्डिनेटर पद्मश्री प्रोफेसर हरीश चंद्र वर्मा के सानिध्य में कविसम्मेलन का आयोजन किया। शिक्षा सोपान के प्राकृतिक वातावरण के प्रांगण में संपन्न कविसम्मेलन की अध्यक्षता नवगीतकार जयराम जय ने तथा संचालन लोकभाषा के सुमधुर गीतकार दिनेश नीरज ने किया। हिन्दी दिवस पर आयोजित कवि सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए प्रोफेसर वर्मा ने कहा कविताएं मन के भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।आज के भौतिक युग में कविता ही एक ऐसा माध्यम है जो समाज को रसानुभूति के साथ–साथ नई दिशा प्रदान कर सकती है। कार्यक्रम के अध्यक्ष जयराम जय ने कविसम्मेलन के मंचो पर कविता के गिरते स्तर पर चिन्ता व्यक्त करते हुए नवगीत

शमंच पर छाने लगे हैं चुटुकुले।
कौन तोड़ेगा ये पथरीले किले।।
सुनाया तथा सामाजिक विसंगतियों पर चर्चित नवगीतरू–
शगांवों की चौपालों ने बतियाना छोड दिया
इसीलिए तो खुशियों ने मुसकाना छोड दियाश
सुनाकर तालियां बटोरी।
लोक भाषा भोजपुरी के सुमधुर कवि दिनेश नीरज ने
ष्मेरे छाव में मुझको ही,
सलामी कौन लिखेगा।
खून से लतफत सरहद पे,
जवानी कौन लिखेगा।।ष
ने देश के वीर जवानो की व्यथा व्यक्त की।युवा कवयित्री शिप्रा ज्ञानेन्द्र ने
हर लम्हे में प्यार है हर लमहे में खुशी है
खो दो तो यादें हैं जी लो तो जिंदगी है।
सुनाकर वाह–वाही लूटी
वही भरत सोमैया भारत की पंक्तियां
कुछ बहुत ही खास तो है तेरी इन यादों में,
जो इनके आते ही मैं शायर बन जाता हूं सस
भी सराही गईं।

,प्रो.एच सी वर्मा,अमित कुमार बाजपेयी ,दैदिप्या,वैश्नवी यादव,विमल कुमार,विकास सक्सेना आदि ने भी कविताएं सुनाई जिससे श्रोताओं से भरा शिक्षा सोपान का प्रांगण देर रात तक कवियो की सरस कविताओं रसधार बहती रही।इस अवसर पर प्रोफेसर एच सी वर्मा ने आमंत्रित कवियों को अंग वस्त्र तथा सोपान के विद्यार्थियो द्वारा बनाये गये स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। शिक्षा सोपान आश्रम की ओर से अमित बाजपेई ने आगतों का आभार ब्यक्त किया।

सम्पादकीय.....

स्वाधीन भारत और संकुचित मानसिकता

स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। भारत में स्वाधीनता के मायने कितने लोग समझ पाते हैं और कितना इसका सही और सटीक प्रयोग कर पाते हैं। किसी भी राष्ट्र के लिए शिक्षा और साक्षरता का उस देश और काल को समझने का एक कारगर हथियार हो सकता है पर भारत में मानसिक स्वाधीनता को समझना भी एक बड़ी समस्या है यह अशिक्षा जनित समस्या बहुत ही विकराल है। हम अभी भी पश्चिमी जगत की शिक्षा, कार्यशैली, विज्ञान एवं चिकित्सा पर संपूर्ण रूप से निर्भर हैं केवल एक शिक्षा ही ऐसा अस्त्र है जो स्वतंत्र भारत के नागरिकों को स्वाधीनता के महत्व को समझने में सक्षम होगा ।अतः स्वाधीन भारत के स्वतंत्र नागरिकों को शिक्षा के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वतंत्र नागरिक बनाकर देश के प्रति सजग और सचेत किया जा सकता है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि ष्एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उध ाार लेकर काम चलाने में नहींष्पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 78 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी। हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है। महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी दैव दैव आलसी पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य को मनुष्य होने का अधिकार प्राप्त होता है। पराधीन देश सामान्य व्यक्ति सदैव पशु तुल्य होते हैं। जिनका अपना कोई विचार या व्यक्तित्व नहीं हो सकता है। कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता–राम सहायक उनके होते, जो होते हैं, आप सहायक, हम सबको स्वयं पर भरोसा रखना आत्मबल बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा देती रहती हैं।

इंजीनियर्स डे महज औपचारिकता

शैलेन्द्र दुबे

इंजीनियरों की समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, उनकी स्थिति और सम्मान को लेकर कई चुनौतियाँ हैं। नीति निर्धारण और शीर्ष प्रबंधन में इंजीनियरों को हाशिए पर रखा जाना एक गंभीर समस्या है, जिसके कई कारण और समाधान हो सकते हैं।

भारत में इंजीनियर्स डे य15 सितंबरद्ध को हर साल मनाया तो जाता है, लेकिन जिस तरह नीति निर्धारण से लेकर शीर्ष प्रबंधन तक आई ए एस काबिज हो गए हैं और अभियंताओं को हाशिए पर धकेल दिया गया है उससे अब यह महज औपचारिकता तक सीमित रह गया है। इंजीनियरों की समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, उनकी स्थिति और सम्मान को लेकर कई चुनौतियाँ हैं। नीति निर्धारण और शीर्ष प्रबंधन में इंजीनियरों को हाशिए पर रखा जाना एक गंभीर समस्या है, जिसके कई कारण और समाधान हो सकते हैं। आइए इस पर गहराई से विचार करें। भारत में नीति निर्धारण और शीर्ष प्रबंधन में आई ए एस यभारतीय प्रशासनिक सेवाद्ध अधिकारियों का वर्चस्व है। इंजीनियरिंग विभागों में भी गैर.तकनीकी लोग अक्सर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में होते हैं, जिससे तकनीकी विशेषज्ञता की अनदेखी होती है। इंजीनियरों को अक्सर ष्कार्यकारीष् के रूप में देखा जाता है, न कि नीति निर्माता के रूप में। इससे उनकी रणनीतिक और नेतृत्वकारी भूमिका सीमित हो जाती है। भारत में आईएएस या प्रशासनिक सेवाओं को सामाजिक रूप से अधिक प्रतिष्ठित माना जाता है, जिसके कारण इंजीनियरिंग पेशे को कमतर आँका जाता है। विकसित देशों में इंजीनियरों को नीति निर्माण और नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका दी जाती है, जैसे जर्मनी, जापान, और अमेरिका में, जहाँ इंजीनियरिंग नवाचार और तकनीकी नेतृत्व को बढ़ावा दिया जाता है। भारत में राजनैतिक इच्छा शक्ति की कमी के चलते यह दृष्टिकोण अभी पूरी तरह विकसित नहीं हो पाया है। इंजीनियरों को सम्मान दिलाने के लिए संभावित समाधान . नीति निर्माण में इंजीनियरों की भागीदारी बढ़ानारू इंजीनियरिंग विभागों में सचिवालय के शीर्ष पदों के लिए तकनीकी विशेषज्ञता को अनिवार्य करना चाहिए। उदाहरण के लिए, तकनीकी मंत्रालयों और विभागों में इंजीनियरों को सचिव, प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव स्तर की भूमिकाएँ दी जानी चाहिए । इंजीनियरों के लिए विशेष प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएँ, जो उन्हें नीति निर्माण और नेतृत्व के लिए तैयार करें।इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रबंधन, नीति निर्माण, और नेतृत्व कौशल को शामिल करना चाहिए। उदाहरण के लिए, आई आई टी और एन आई टी जैसे संस्थानों में नीति विश्लेषण और सार्वजनिक प्रशासन पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं।इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट्स के माध्यम से

इंजीनियरों को वास्तविक नीति निर्माण प्रक्रियाओं से जोड़ा जाए।इंजीनियर्स डे को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखकर, इंजीनियरों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करना चाहिए। मीडिया, सोशल मीडिया, और सार्वजनिक मंचों पर इंजीनियरों के योगदान को उजागर करना होगा। स्कूल और कॉलेज स्तर पर इंजीनियरिंग के महत्व को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाए जाएँ, ताकि समाज में इस पेशे के प्रति सम्मान बढ़े। जर्मनी और जापान जैसे देशों में इंजीनियरों को तकनीकी और नीतिगत दोनों स्तरों पर महत्व दिया जाता है। भारत में भी इंजीनियरों को स्टार्टअप, नवाचार, और नीति निर्माण में प्रोत्साहित करने के लिए विशेष योजनाएँ बनाई जा सकती हैं। उदाहरण के लिए, इंजीनियरों के लिए ष्टेक्नोक्रेट फेलोशिपष् जैसी पहल शुरू की जा सकती है, जिसमें उन्हें सरकार के साथ नीति निर्माण में काम करने का अवसर मिले। इंजीनियरों के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर पुरस्कार और सम्मान स्थापित किए जाएँ, जो उनकी तकनीकी और सामाजिक योगदान को मान्यता दें। उदाहरण के लिए, सर एमण् विश्वेश्वरैया जैसे दिग्गज इंजीनियरों के नाम पर पुरस्कार और फेलोशिप शुरू की जा सकती हैं। इंजीनियरिंग संगठनों जैसे इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स यइंडियाद्ध को नीति निर्माण में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सशक्त करना चाहिए। सरकार और निजी क्षेत्र में इंजीनियरों के लिए विशेष कैडर बनाए जाएँ, जो उन्हें प्रशासनिक और तकनीकी दोनों भूमिकाओं में अवसर दे। भारत में इंजीनियरों को सम्मान दिलाने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें शिक्षा, नीति, और सामाजिक धारणा में बदलाव शामिल हो। सबसे महत्वपूर्ण है कि राजनीतिक दल आई ए एस के प्रभा मंडल से बाहर आए और राष्ट्र निर्माण में इंजीनियरों की भूमिका को समुचित महत्व दें। इंजीनियरिंग विभागों के सचिव, प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव पदों पर विशेषज्ञ इंजीनियरों की ही तैनाती की जाय। इंजीनियर्स डे को केवल एक औपचारिक आयोजन के बजाय, इंजीनियरों के योगदान को उजागर करने और उन्हें सशक्त बनाने का अवसर बनाया जा सकता है।

नेपाल से सीखा सबक! भारत में आंदोलनों का अध्ययन कर भविष्य की रणनीति बनाएगी मोदी सरकार

नीरज कुमार दुबे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में यह निर्देश दिया है कि 1974 से अब तक देश में हुए प्रमुख आंदोलनों का गहन अध्ययन किया जाए, ताकि यह समझा जा सके कि किन कारणों से बड़े पैमाने पर असंतोष पनपता है और भविष्य में ष्स्वार्थी तत्वोंष द्वारा आंदोलन की आड़ में अशांति फैलाने की संभावनाओं को रोका जा सके। देखा जाये तो 1974 का वर्ष भारतीय राजनीति में विशेष महत्व रखता है। यह वही दौर था जब जेपी आंदोलन ने बिहार से उठकर राष्ट्रीय स्वरूप ग्रहण किया और अंततः 1975 में आपातकाल की पृष्ठभूमि बनी। उसके बाद से छात्र आंदोलनों, किसान आंदोलनों, आरक्षण विरोधी और समर्थनकारी आंदोलनों, अन्ना हज़ारे का भ्रष्टाचार–विरोधी आंदोलन, शाहीन बाग का नागरिकता संशोधन कानून विरोध और हालिया किसान आंदोलन, ये सभी भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के निर्णायक पड़ाव रहे हैं। देखा जाये तो अमित शाह का यह कदम मात्र अतीत की घटनाओं की सूची तैयार करना नहीं है, बल्कि आंदोलन की प्रकृति, उनकी पृष्ठभूमि, उनसे हुई सामाजिक–राजनीतिक उथल–पुथल और उनके सकारात्मक या नकारात्मक परिणामों को समझना है। सवाल यह है कि कौन–से आंदोलन वास्तविक जनआकांक्षाओं के प्रतिनिधि थे? किन आंदोलनों को संगठित समूहों या बाहरी ताकतों ने दिशा दी? आंदोलन कब लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा बने और कब हिंसा या अराजकता में बदल गए? इन सवालों का उत्तर ढूंढना इस अध्ययन का मूल मकसद प्रतीत होता है। मोदी सरकार की इस कवायद के वर्तमान संदर्भ में मायने समझें तो इसके लिए हमें यह देखना होगा कि आज भारत ऐसे समय में है जब सूचना और संचार तकनीक ने आंदोलन करने की शैली को बदल दिया है। सोशल मीडिया के ज़रिए आंदोलन बहुत तेज़ी से आकार ले सकते हैं। साथ ही स्थानीय असंतोष देखते–देखते राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन जाता है। इसके अलावा, विपक्षी दल और अंतरराष्ट्रीय मंच भी आंदोलनों को राजनीतिक रंग देने में सक्रिय रहते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में गृह मंत्रालय की इस पहल के कई मायने हैं। जैसे– सरकार आंदोलन के पीछे छिपी वास्तविक सामाजिक–आर्थिक समस्याओं को समझकर बेहतर नीतियाँ बना सकेगी। साथ ही अगर किसी आंदोलन को विदेशी या विध्वंसकारी ताकतें भड़काती हैं, तो उनकी पहचान करना आसान होगा। इसके अलावा, मोदी सरकार यह भी दर्शाना चाहती है कि वह लोकतांत्रिक अधिकारों और अनुशासन के बीच संतुलन कायम रखने के पक्ष में है। मोदी सरकार का यह निर्णय यह भी बताता है कि केंद्र सरकार आंदोलनों की राजनीति को सिर्फ तात्कालिक चुनौती नहीं मानती, बल्कि दीर्घकालिक नीति–चिंतन के विषय के रूप में देख रही है। हालाँकि, सरकार के इस फैसले की आलोचनाएँ होनी भी संभव हैं। विपक्ष इसे ष्आंदोलनों को बदनाम करने की कोशिशष कह सकता है। देखा जाये तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन असहमति जताने का वैध साधन हैं, ऐसे में उनका अध्ययन करने को कुछ लोग नागरिक अधिकारों पर अंकुश की तैयारी मान सकते हैं।

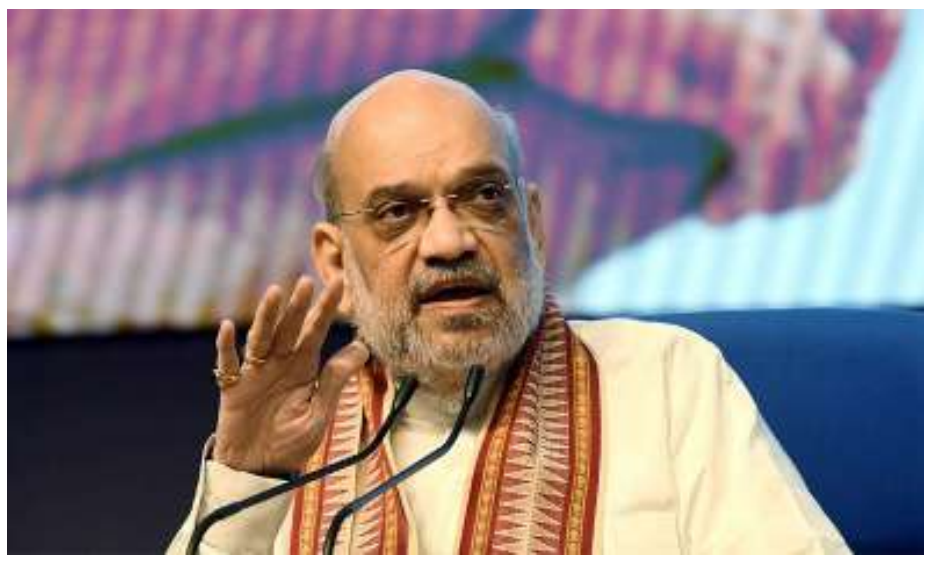

(राजभाषा की अभिलाषा)

भाषा के माथे की तिलक हूं मैं,और साहित्य की श्रृंगार रूपी बिंदी हूं मैं।
अभिवादन मेरा स्वीकार करें आप,आपकी राजभाषा हिंदी हूं मैं।।

भारत की आन–बान–शान,और भारतीयों की पहचान हूं मैं।
भारत की संस्कृति,सभ्यता,
विरासत,और भारतीयों की कीर्तिगान हूं मै।।

मीठी,सरल, सुहावन हूं मैं,हर भाषाओं में सबसे पावन हूं मैं।
केवल संदेश–साधन मात्र नहीं,जनप्रिय,निरुपम और मनभावन हूं मैं।।

शब्दों का सागर है मुझमें,और तुकबंदी की भंडार हूं मैं।
भाषा तो बहुते आएं इस धरा पर,लेकिन सदियों से जनमानस की प्यार हूं मैं।।

दिनकर,पंत,और निराला की आवाज हूं मैं,मीरा,सुभद्रा,और महादेवी के सुरों की साज हूं मैं।
असंख्य कलम के योद्धाओं की ताज़ हूं मैं,लेकिन अब खुद की ही बदहाली पर नाराज़ हूं मैं।।

अंग्रेजियत का खंजर कुछ यूं चुभाया अपनों ने,की हृदय तक बेहद आहत हूं मैं।
अब तो अंग्रेज़ी से ही मिलती है राहत सबको,भला अब कहां किसी की चाहत हूं मैं।।

राष्ट्रभाषा भी न अबतक बन सकी मैं,अतः दयनीय और मजबूर हुं मैं।
यकीनन अब प्रतीत हो रहा है,जैसे भारत में ही भारतवासियों से दूर हूं मैं।

भाषा के माथे की तिलक हूं मैं,और साहित्य की श्रृंगार रूपी बिंदी हूं मैं।
अभिवादन मेरा स्वीकार करें ज़नाब,आपकी राजभाषा हिंदी हूं मैं....

'आशीष कुमार सैनी'
पुराछात्र–(इलाहाबाद विश्वविद्यालय)
प्रयागराज,उत्तर प्रदेश,भारत।

पड़ोसी देशों का हाल और भारत

प्रेम शर्मा

भारत के करीबी और पड़ोसी देशों के हाल बेहाल है। म्यांमार में 2021, पाकिस्तान में श्रीलंका में 2022, 2024 में बाग्लादेश और अब नेपाल चुनी हुई सरकार के साथ जो कुछ हुआ वह अचानक नही बल्कि पिछले कुछ अरसे से बढ़ता आक्रोश था। प्रधानमंत्री से लेकर मंत्रियों तक को जानबचाकर भागते देखा गया, जिनकों पकड़ लिया उन पर हमला कर दिया गया। यानि यह जन आक्रोश जिस सरकारे जानबूझ कर अनदेखी कर रही थी। यह तो सच है कि दुनिया का कोई भी देश वहा की सरकार शत प्रतिशत रोजगार नही दे सकती। बढ़ती आबादी के हिसाब से महंगाई नही रोक सकती, लेकिन वह जो कर सकती है वह भी नही कर रही उपर से भ्रष्टाचार और सरकारी रहनुमाओं के ऐशोआराम से अब जनता दूखी और आक्रोशित है। सरकार की मशीनरी के सामने भले ही दुबकी नजर आती हो लेकिन जैसे ही उसे मौका मिलता है तख्ता पलट का रूप सामने आता है। दक्षिण एशिया खासकर भारत के पड़ोसी देशों में राजनीतिक अस्थिरता बार–बार दस्तक दे रही है। कभी चुनी हुईं सरकारों को बदल दिया जाता है, तो कभी उनका तख्तापलट हो जाता है। व्यवस्था पत्ते की तरह बिखर जाती है। बीते सालो में म्यांमार, अफगानिस्तान, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश में तख्तापलट हो चुका है। अब इसका ताजा शिकार नेपाल बना है। भारत के पड़ोसी देशों में जो कुछ हुआ और हो रहा है वह सामान्य घटनाक्रम नही बल्कि लम्बे अरसे से सुलगता जनाक्रोश है जिसकी वहॉ की सरकारों द्वारा लगातार अनदेखी की गई, इसका परिणाम था कि वहॉ के विपक्षी दलों और कतिपय सरकार विरोधी गुटों ने सुलग रही चिनगारी को हवा दे तो और स्थिति खतरनाक हो गई। इतिहास गवाह है कि लंबे समय तक बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे कारणों से शोषण झेल रही जनता जब बगावत पर उतर आती है तो वह अच्छे और बुरे का फर्क भूल जाती है। ऐसे हालात ही क्रांति को जन्म देते हैं। ऐसा ही नेपाल में हुआ जहां सत्ताधारी नेता देश को भूल कर खुद का घर भरने में लग गए। देश के युवाओं का सब्र का बांध उस वक्त टूट गया जब नेपाली सरकार ने उनकी अभिव्यक्ति की आजादी छीनने का प्रयास करके जले पर नमक छिडकने का काम किया। नेपाल में जो घटनाक्रम हुआ, उससे भारत के नेता भी सबक ले सकते हैं। देश की मूल समस्याओं के समाधान के बजाय गुमराह करने वाले मुद्दों पर राजनीति का नतीजा नेपाल विद्रोह है। वैसे तो नेपाल में हुए घटनाक्रम को लेकर कहा जा रहा है कि नेपाल की सरकार ने बीते दिनों फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब सहित 26 मीडिया प्लेटफॉर्मों पर बैन लगा दिया था। ओली सरकार ने यह बैन सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करते हुए लगाया लेकिन बैन का यह फैसला किशोर एवं युवा पीढ़ी को पसंद नहीं आया। वह इसके खिलाफ सोमवार को सड़कों पर उतर आई और हिंसक प्रदर्शन किया। हिंसा एवं उपद्रव को देखते हुए ओली सरकार ने सोशल मीडिया से बैन तो हटा लिया लेकिन बैन हट जाने के बाद हिंसक विरोध–प्रदर्शन बंद नहीं हुआ। यानि यह विरोध केवल सोशल मीडिया के बैन होने तक सीमित नही था। क्योकि इसके बाद हिंसक प्रदर्शन और उपद्रव भ्रष्टाचार के खिलाफ था। प्रदर्शनकारी राजधानी काठमांडू सहित कई शहरों पर उपद्रव और उत्पात मचाने लगे। चुन–चुनकर पूर्व प्रध ानमंत्रियों, कैबिनेट मंत्रियों, नेताओं पर हमले हुए और उन्हें सड़क पर दौड़ाकर मारा–पीटा गया। पूर्व पीएम झालनाथ खनाल की पत्नी को आग के हवाले कर दिया गया। भीड़ ने संसद और सरकारी इमारतों को फूंक दिया। पीएम केपी शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया और जान बचाकर भागे। इसी तरह करीब एक साल पहले बांग्लादेश में भी हिंसा, उत्पात, आगजनी का नेपाल जैसा ही नजारा देखने को मिला था। आरक्षण, भ्रष्टाचार, आर्थिक बदहाली और विरोधियों को दबाए जाने के खिलाफ बांग्लादेश के छात्रों ने हसीना सरकार के खिलाफ बगावत कर दी। सरकार विरोधी इस मुहिम में बाद में कट्टरपंथी तत्व भी शामिल हो गए। पांच अगस्त 2024 को प्रदर्शनकारियों ने हसीना के सरकारी आवास पर धावा बोल कर वहां जमकर उत्पात मचाया। बंग बंधु की प्रतिमा तोड़ दी। अपनी जान बचाने के लिए शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा और भारत में राजनीतिक शरण लेनी पड़ी। आठ अगस्त को मोहम्मद युनूस की अगुवाई में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। यहां भी एक चुनी हुई सरकार का तख्तापलट कर दिया गया। म्यांमार भारत के इस पड़ोसी देश में 2021 में सेना ने तख्तालपट कर दिया। यहां तख्तापलट भ्रष्टाचार के खिलाफ हुआ। जुलाई 2022 में श्रीलंका में जनता सरकार के खिलाफ हो गई। महंगाई, भ्रष्टाचार और लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था से हताश और निराश लोग राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के खिलाफ सड़कों पर आ गए। लोग राष्ट्रपति भवन में घुस गए और वहां तोड़फोड़ मचाया। गोटाबाया को यहां से जान बचाकर भागना पड़ा। पाकिस्तान में अप्रैल 2022 में नो कॉन्फिडेंस मोशन यानी अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इमरान खान को सत्ता से बाहर किया गया। यहां सेना के दबाव में इमरान सरकार को समर्थन देने वाली पार्टियों ने अपना समर्थन वापस ले लिया। अविश्वास प्रस्ताव पेश होने पर इमरान खान अपनी सरकार बचा नहीं पाए और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार के मामलों में उनकी गिरफ्तारी हुई। साल 2021 में भारत के पड़ोसी अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में आ गया। मई में अमेरिका सेना के अचानक अफगानिस्तान छोड़ने के बाद यहां के प्रांत एक–एक कर तालिबान के कब्जे में आते गए। 15 अगस्त को राजधानी काबुल पर तालिबान का कब्जा हो गया और राष्ट्रपति अशरफ घानी को देश छोड़कर भागना पड़ा। नेपाल के घटना क्रम के बाद भारत में विपक्षी दलों तथा कतिपय बुद्धिजीवी जिस तरह से बयानबाजी कर रहे है वह उचित नही है। देश को अस्थिर करने का षड़यंत्र और चुनाव के बहाने जनता को भड़काने का खेल किसी भी तरह से जन और राष्टहित में नही है। बहरहाल देश की जनता बहुत समझदार है, उसे मालूम है कि उसे राष्ट हित और स्वंय हित में किसी भी अराजकता को बढ़वा नही देना है। विरोध दर्ज कराने के कई अन्य तरीके है। भारत के हालात नेपाल जितने खराब नहीं हैं, किन्तु सत्ताधारी और विपक्ष के नेताओं को एहतियात के तौर पर नेपाल से सबक लेना चाहिए। केन्द्र और राज्य सरकारों को जनता को बरगलाने और आन्दोलित करने वालों पर नजर रखनी होगी।

बिग बॉस 19: सलमान के कुनिका को समर्थन करने पर बेटे अयान ने दी सफाई, कहा-सपोर्ट हमेशा सही नीयत पर ही मिलता है

एक्ट्रेस कुनिका सदानंद इन दिनों सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में नजर आ रही हैं, जहां वो अपने बेबाक अंदाज से खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। हालांकि, कई लोगों को तो कुनिका का अंदाज बिलकुल पसंद नहीं आता, वहीं कुछ लोगों का मानना है कि शो के होस्ट सलमान, कुनिका को सपोर्ट करते हैं। हाल ही में ऐसा सोचने वाले लोगों को लेकर कुनिका सदानंद के बेटे अयान ने अपनी राय मीडिया के बीच शेयर की। हाल ही में एक बातचीत में कुनिका के बेटे ने कहा– मैं बता दूं घर में मां का अंदाज बिलकुल अलग होता है, वो नाचती हैं, हंसती और मजाक करती रहती हैं। हमारे घर में हमेशा हंसी–मजाक का माहौल रहता है। जो लोग उनकी इमेज बनाते हैं या मीडिया में पोस्ट करते हैं, उन्हें यह नहीं समझ आता कि असली स्ट्रगल और दर्द क्या होता है? कुनिका के कुमार सानू के साथ लिव.इन रिलेशनशिप और बाद में धोखा मिलने के बारे में अनाय ने कहा– जब मेरी मां ने उस बारे में खुलकर बात की, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं कोई किताब पढ़ रहा हूं। जैसे कोई अपनी बायोग्राफी बता रहा हो। मैं अपनी मां को सिर्फ मां के रूप में नहीं देखता बल्कि एक मोटिवेशनल स्पीकर, एक दोस्त के नजरिए से भी देखता हूं। आप सोच रहे होंगे कि मैं गुस्सा हुआ, जब मां ने कुमार सानू के बारे में बात की। सच यह है कि मैं अपने इमोशंस को साइड में रखता रहा, जो उन्होंने शेयर किया, वह उनके लिए जरूरी था। यह किसी के ओपिनियन के लिए नहीं था बल्कि खुद को बुरे दौर से बाहर निकालने के लिए था। मैंने सिर्फ यह देखा कि मेरी मां ने कितनी ताकत, आत्मविश्वास और ईमानदारी के साथ अपनी जिंदगी को जीया है। जब उनसे पूछा गया कि कई लोग मानते हैं कि सलमान खान कुनिका और आपके परिवार के लिए बायस्ड हैं। तो इस पर उन्होंने कहा–मेरी जर्नी बहुत धीरे–धीरे शुरू हुई। 14 साल की उम्र से मैंने एक्टिंग स्कूल ज्वाइन किया और लगातार ऑडिशन दिए। फिल्म 'सिकंदर' में पहली बार मुझे सलमान सर से मिलने का मौका मिला। मेरे गाने उनके पास पहुंचे और उन्होंने कहा, अयान, मुझे इसमें से एक गाना चाहिए। क्या तुम मेरे प्रोजेक्ट्स के लिए बनाओगे? यह मौका किसी रिश्ते या परिवार के कारण नहीं मिला बल्कि मेहनत और टैलेंट की वजह से मिला। फिल्म के सेट पर 300 लोग थे लेकिन सलमान सर हर किसी के साथ बराबरी का व्यवहार करते हैं और हमेशा देखते हैं कि किसी की नीयत सही है या नहीं। मेरी मां और सलमान सर की बातचीत या फेस.टू. फेस मिलना 25 साल से नहीं हुआ। लेकिन फिर भी अगर किसी की नीयत सही होती है तो सलमान सर मदद करने से पीछे नहीं हटते। यही उनकी इंसानियत है। वह बिना वजह किसी को फेवर नहीं करते हैं। देखिए, सपोर्ट हमेशा मेहनत और सही नीयत होने पर ही मिलता है। मां के लिए विश मांगने पर कुनिका के बेटे ने कहा– मेरी मां 61 साल की हैं। अगर मुझे एक विश मांगने का मौका मिले, तो मैं यही चाहूंगा कि 'बिग बॉस' में उन्हें वो पल मिलें, जो उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी पूरी तरह महसूस नहीं किए। मैं चाहता हूं कि वह ऐसा महसूस करें, जैसे उनकी उम्र कुछ पल के लिए पीछे चली गई है और वो फिर से 35 की उम्र वाली खुशियां जी रही हों। यह शो उनके लिए सिर्फ एंटरटेनमेंट का मंच नहीं है, यह उनके लिए वह मौका है, जहां उन्हें फेम, प्यार और सम्मान मिल सके, जो उन्होंने कड़ी मेहनत और संघर्ष के बावजूद पूरी तरह से नहीं पाया है। मेरी मां ने हमेशा अपने काम में पूरी ईमानदारी दिखाई है। वह एक मिसाल हैं। अगर यह रियलिटी शो उन्हें खुशी और संतुष्टि दे सके, तो मेरे लिए इससे बड़ी खुशी कोई नहीं होगी। मैं चाहता हूं कि हर कोई समझे कि मेरी मां ने अपने जीवन में कितनी चुनौतियां झेली हैं। अगर आज उन्हें अलग पहचान और प्यार मिल सके, तो मैं दुनिया का सबसे खुशहाल इंसान बन जाऊंगा।

> कुनिका के कुमार सानू के साथ लिव.इन रिलेशनशिप और बाद में धोखा मिलने के बारे में अनाय ने कहा- जब मेरी मां ने उस बारे में खुलकर बात की, तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं कोई किताब पढ़ रहा हूं। जैसे कोई अपनी बायोग्राफी बता रहा हो।

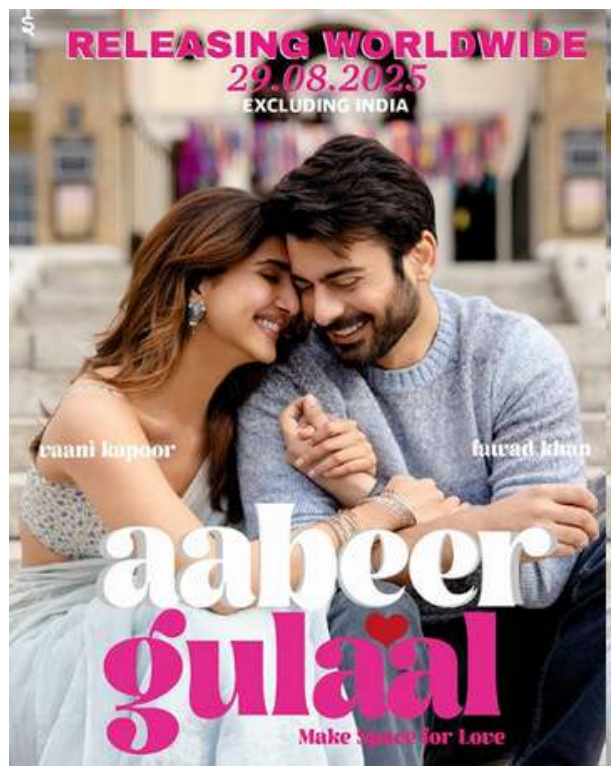

अबीर गुलाल भारत में होगी रिलीज? पीआईबी ने बताया–फवाद और वाणी की फिल्म को देश में नहीं मिली मंजूरी

पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान और बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर की चर्चित फिल्म अबीर गुलाल एक बार फिर सुर्खियों में है। यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को भारत को छोड़कर दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज की गई थी। हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि फिल्म 26 सितंबर 2025 को भारत में भी रिलीज होगी, लेकिन इन खबरों का खंडन कर प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने सच्चाई सबके सामने पेश की है। पीआईबी की तरफ से साफ कहा गया कि मीडिया के जरिए फैल रही खबरें पूरी तरह गलत हैं। बयान में कहा गया– "कुछ मीडिया आउटलेट्स यह दावा कर रहे हैं कि फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल 26 सितंबर 2025 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दरअसल, फिल्म अबीर गुलाल की मूल रिलीज डेट 9 मई 2025 तय की गई थी और इसे भारत समेत कई देशों में एक साथ रिलीज किया जाना था। लेकिन अप्रैल 2025 में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। इसी के चलते भारत में इस फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक लगा दी गई, जबकि अन्य देशों में इसे दिखाया गया। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का निर्माण करने वाली कंपनी इंडियन स्टोरीज लिमिटेड (यूके) ने भारत में 26 सितंबर को इसे रिलीज करने की तैयारी बताई थी। कंपनी का मानना था कि फिल्म की सरल और भावनात्मक प्रेम कहानी भारतीय दर्शकों को काफी पसंद आएगी। यही वजह थी कि इन दावों ने जोर पकड़ा, लेकिन सरकारी स्तर पर कोई मंजूरी न मिलने के कारण यह खबर गलत साबित हुई।

ऐश्वर्या राय की को–स्टार ने लिया बड़ा फैसला, सोशल मीडिया से बनाई दूरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय की फिल्म पोन्नियिन सेलवन की को–स्टार और साउथ की जानी मानी एक्ट्रेस ऐश्वर्या लक्ष्मी के फैंस के लिए एक शॉकिंग खबर सामने आई है। कई हिट फिल्मों में नजर आ चुकी ऐश्वर्या राय ने सोशल मीडिया से दूरी बना ली है। जी हां, इस बात की पुष्टि एक्ट्रेस ने खुद एक लंबा–चौड़ा पोस्ट शेयर करते हुए की है। एक्ट्रेस के अनुसार, उन्होंने बीते कुछ समय में महसूस किया है कि सोशल मीडिया ने उनकी छोटी–छोटी खुशी और असली सोच उनसे छीन ली है, जिसके चलते उन्होंने ये फैसला लिया है।

ऐश्वर्या लक्ष्मी का पोस्ट

ऐश्वर्या लक्ष्मी ने अपने पोस्ट में सोशल मीडिया को छोड़ने का खुलासा करते हुए लिखा–लंबे समय से, मैं इस विचार से सहमत थी कि गेम में बने रहने के लिए सोशल मीडिया बहुत जरूरी है। मुझे लगा कि समय के साथ चलना जरूरी है, खासकर उस इंडस्ट्री के नेचर को देखते हुए जिसमें हम हैं। किसी तरह, हमें ये बात समझाई गई कि ये हमारी जरूरतों को पूरा करेगा, लेकिन ये पूरी तरह से उल्टा पड़ गया और इसने मुझे अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए मजबूर कर दिया। इसने मुझे मेरे काम और रिसर्च से सक्सेसफुली डिस्ट्रैक्ट कर दिया है। इसने मुझसे मेरी ओरिजनल सोच छीन ली है, मेरी शब्दावली और भाषा को प्रभावित किया है, और हर दूसरे सरल खुशी को आनंदहीन बना दिया है। एक्ट्रेस ने आगे लिखा–मैं एक सामान्य सांचे में ढली और सुपरनेट की सनक और कल्पनाओं को पूरा करने वाली नहीं बनना चाहती। एक महिला होने के नाते, मुझे खुद को संवारने और नियंत्रण के प्रति जागरूक होने के लिए बहुत प्रशिक्षित होना पड़ा है, और इससे भी ज्यादा इसका विरोध करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। तो मैं यहां भूल जाने का रिस्क उठाने के लिए तैयार हूं, क्योंकि आज के समय में अगर आप इंस्टाग्राम से बाहर होते हैं तो लोगों के दिमाग से भी बाहर हो जाते हैं। तो यहां मैं अपने अंदर के कलाकार और उस छोटी बच्ची के लिए सही काम कर रही हूं। उसे ओरिजनल बनाए रखते हुए और इंटरनेट से पूरी तरह दूर रहने का चुनाव करते हुए। उम्मीद है कि मैं जिंदगी में और भी सार्थक रिश्ते और फिल्में बना पाऊंगी। और अगर मैं सार्थक सिनेमा बना भी पाऊं, तो मुझे प्यार देना–पुराने अंदाज में। बता दें, मलयालम और तमिल फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस ऐश्वर्या लक्ष्मी एक्टर कमल हासन के साथ ठग लाइफ और ऐश्वर्या राय के साथ पोन्नियिन सेलवन जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

टीवी की पार्वती सोनारिका भदौरिया जल्द बनेंगी मां, पति की बाहों में बेबी बंप फ्लॉन्ट कर किया प्रेग्नेंसी का खुलासा

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक खुशखबरी सामने आई है। टीवी में मशहूर धारावाहिक देवों के देव महादेव में पार्वती के रूप में अपनी पहचान बनाने वाली सोनारिका भदौरिया मां बनने वाली हैं। जी हां, यह गुड न्यूज एक्ट्रेस ने खुद अपने पति विकास पराशर संग मिलकर फैंस को दी है, जिसके बाद कपल को लगातार फैंस और सेलेब्स की तरफ से बधाइयां मिल रही हैं। सोनारिका ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में पति के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह व्हाइट लेस गाउन पहने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं और पति की बाहों में रोमांटिक पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों में कपल के चेहरे पर पेरेंट्स बनने की एक अलग खुशी देखने को मिल रही है। इन फोटोज को शेयर करते हुए सोनारिका ने कैप्शन लिखा–हमारा अब तक का सबसे बड़ा सफर। इस पोस्ट के बाद फैंस कपल को बधाइयों पर बधाइयां दे रहे हैं। बता दें, सोनारिका भदौरिया और विकास ने फरवरी 2024 में एक दूजे संग शादी रचाई थी। वहीं, शादी से पहले एक दूसरे को काफी समय तक डेट किया था अब शादी के डेढ़ साल बाद उनके घर जल्द ही पहले बच्चे की किलकारी गूंजेगी।

अंकिता लोखंडे के पति का हुआ दर्दनाक एक्सीडेंट, हाथ में लगे 45 टांके, अस्पताल से आई तस्वीरें

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति और बिजनेसमैन विक्की जैन इन दिनों अस्पताल में भर्ती हैं। उनके हाथ में गंभीर चोट आई है, और डॉक्टर्स को 45 टांके लगाने पड़े हैं। फैंस उनकी हेल्थ को लेकर काफी चिंतित हैं। विक्की जैन के एक करीबी दोस्त और 'बिग बॉस 17' में उनके साथ नजर आए समर्थ जुरेल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में विक्की अस्पताल के बेड पर लेटे नजर आ रहे हैं, उनके हाथ में पट्टी बंधी हुई है और चेहरे पर हल्की मुस्कान है। साथ में अंकिता लोखंडे भी उनके पास खड़ी हैं।

वीडियो में समर्थ मजाकिया अंदाज में कहते हैं,

दो घंटे बाद अस्पताल के बाहर मिलते हैं। वहीं, विक्की जवाब देते हैं, बाय मत बोलो यार। यह क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस लगातार विक्की के लिए दुआएं कर रहे हैं। कांच से घायल हुए विक्की, डॉक्टरों ने लगाए 45 टांके फिल्म निर्माता संदीप सिंह ने विक्की की हालत पर बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि विक्की के हाथ में कांच के टुकड़े घुस गए थे, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई।

संदीप ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा

एक दर्दनाक हादसे के बाद, जिसमें विक्की जैन के हाथ में कांच के कई टुकड़े घुस गए और 45 टांके लगाने पड़े, वह पिछले तीन दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं। इसके बावजूद, उनका हौसला बना हुआ है। वो अब भी मुस्कुराते हैं और दूसरों को हंसाते हैं। ऐसा लगता है जैसे कुछ हुआ ही नहीं।

अशिता धवन और सेलेब फ्रेंड्स ने भी की मुलाकात

टीवी एक्ट्रेस अशिता धवन भी विक्की से मिलने अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने विक्की के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा ष्ठीक हो जाओ विक्कु, तुम्हें इस हालत में देखकर दिल टूट गया। लेकिन तुम्हारी मुस्कान बताती है कि तुम कितने मजबूत हो। जल्द ठीक होकर वापस आओ।ष्

फैंस का रिएक्शनः क्या हुआ विक्की भैया को?

सोशल मीडिया पर फैंस विक्की के जल्दी ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। कमेंट्स में किसी ने लिखा ये हाथ कहीं अंकिता ने तो नहीं तोड़ दिया? जब ब्रेसलेट रश्मि देसाई के बालों में फंस गया था।

इन सब्जियों को कच्चा खाने की गलती न करें, सेहत को हो सकता है नुकसान

सब्जिया स्वस्थ जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं, और अक्सर हम इन्हें सलाद के रूप में कच्चा ही खाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ सब्जिया कच्ची खाने से आपकी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है? हाँ, कच्ची सब्जिया आपके पेट में दर्द, गैस और अन्य समस्याओं का कारण बन सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कौन–कौन सी सब्जिया हैं, जिन्हें कच्चा खाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। जानिए इन सब्जियों को कच्चा खाने से क्या–क्या समस्याए हो सकती हैं और कैसे आप इनका सेवन सुरक्षित तरीके से कर सकते हैं।

पालक

पालक एक लोकप्रिय हरी सब्जी है, जो सर्दियों में अधिकतर मिलती है। हालांकि, इसे कच्चा खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। पालक में उच्च मात्रा में ऑक्सलेट्स होते हैं, जो किडनी में पथरी का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, कच्चा पालक कैल्शियम के अवशोषण में भी बाधा डाल सकता है। इसलिए, पालक को हमेशा पकाकर ही खाएं।

टमाटर

कच्चे टमाटर में सोलानिन नामक रसायन पाया जाता है, जो पेट में दर्द और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। सोलानिन एक प्रकार का विषाक्त पदार्थ है जो कच्चे टमाटर में उच्च मात्रा में होता है और इसे पचाने में मुश्किल होती है। इस रसायन से पेट में जलन, गैस, और कभी–कभी डायरिया जैसी समस्याए हो सकती हैं। जब टमाटर पकाए जाते हैं, तो यह रसायन हटा जाता है और टमाटर अधिक पचने योग्य बन जाते हैं। इसलिए, टमाटर को हमेशा पकाकर या किसी खाद्य पदार्थ के रूप में उपयोग करना सुरक्षित होता है।

गोभी

गोभी के प्रकारों में फूलगोभी, ब्रोकोली और पत्तागोभी शामिल हैं। इन क्रूसिफेरस सब्जियों को कच्चा खाना पेट दर्द, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। इन्हें कच्चा खाने की बजाय स्टीम करके या ब्लांच करके खाना ज्यादा सुरक्षित होता है। इससे इनके पाचन में सुधार होता है और स्वास्थ्य पर कम प्रभाव पड़ता है।

कच्ची मूली

कच्ची मूली का सेवन पेट में गैस और अपच की समस्या पैदा कर सकता है। मूली में प्राकृतिक रसायन होते हैं जो कच्ची अवस्था में पाचन तंत्र को उत्तेजित कर सकते हैं, जिससे पेट में जलन, गैस और अन्य पाचन समस्याए उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, कच्ची मूली में फाइबर की उच्च मात्रा भी पेट में असहजता का कारण बन सकती है। इसलिए, मूली को पकाकर या हल्के मसाले के साथ खाना अधिक सुरक्षित और आरामदायक होता है, जिससे इसके लाभदायक तत्वों का सही तरीके से सेवन किया जा सकता है।

ग्रीन बीन्स

ग्रीन बीन्स, जो हरी फलियों के रूप में जानी जाती हैं, को कच्चा खाना आपके पाचन तंत्र के लिए मुश्किल हो सकता है। कच्ची ग्रीन बीन्स को पचाने में कठिनाई हो सकती है, जिससे पेट दर्द और पाचन संबंधी समस्याए उत्पन्न हो सकती हैं। इन्हें पकाकर खाने से इन समस्याओं से बचा जा सकता है।

शिमला मिर्च और बैंगन

शिमला मिर्च और बैंगन को आमतौर पर पकाकर ही खाया जाता है। लेकिन अगर आप इन्हें सलाद या स्प्राउट में कच्चा शामिल कर रहे हैं, तो इससे बचना चाहिए। कच्ची शिमला मिर्च और बैंगन में ई. कोलाई और पैरासाइट्स हो सकते हैं, जो पेट और दिमाग के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इन्हें पकाकर खाने से इन खतरनाक बैक्टीरिया से बचा जा सकता है।

जिद्दी कब्ज का इलाज एक ही फल, बस सही समय पर सही तरीके से करें सेवन

फलों की बात करें तो पपीता भी आपके शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। यह पेट के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद माना जाता है जिन लोगों को अक्सर कब्ज की समस्या रहती है, उन्हें खाली पपीता खाना चाहिए। पपीता में पोटेशियम और फाइबर भरपूर होते हैं, जो दिल के लिए बढ़िया है। इसमें विटामिन श्केश , कैल्शियम और फास्फोरस होता हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाता हैं। विटामिन 'सी' इम्यूनिटी को स्ट्रांग करता है। चलिए आपको पपीता के फायदे ही बताते हैं। एक बार जब आप पपीते के इतने फायदे जानेंगे तो पपीता नहीं खाते तो खाना शुरू कर देंगे।

कैंसर से बचाव

पपीता में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है और आंतरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। फाइबर युक्त आहार कैंसर के कुछ रूपों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। पपीते में मौजूद बीटा–कैरोटीन एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर में विटामिन । में परिवर्तित हो जाता है। विटामिन । के साथ–साथ, बीटा–कैरोटीन कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन ठीक और इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग

पपीते में पपाइन नामक एंजाइम होता है, जो पाचन को दुरूस्त रखने में मदद करता है और प्रोटीन को आसानी से पचाने में सहायक होता है। पपीते में विटामिन C भरपूर मात्रा में होता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को

मजबूत करता है और शरीर को संक्रमण से बचाता है।

त्वचा के लिए बहुत अच्छा

पपीते में विटामिन C, E, A और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा को निखारते हैं और झुर्रियों को जल्दी नहीं आने देते। पपीते का होममेड पैक बनाकर भी लगाया जा सकता है। अगर आपके चेहरे पर पुराने कील मुंहासे हैं तो उससे भी राहत मिलेगी, साथ ही पपीता आपके स्किन को साफ और चमकदार बनाने का काम भी करेगा।

वजन कंट्रोल

पपीता कैलोरी में कम और फाइबर में अधिक होता है, जो वजन को नियंत्रित करने में मदद करता है। वजन कम ना होने की एक वजह पेट से जुड़ी दिक्कतें भी हैं। पपीता पेट साफ रखता है जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

आंखों की सेहत

पपीते में विटामिन । और कैरोटेनॉयड्स होते हैं जो आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं और दृष्टि में सुधार कर सकते हैं।

हड्डियों के लिए अच्छा

इसमें विटामिन K, कैल्शियम, और फास्फोरस होता है जो हड्डियों की मजबूती के लिए लाभकारी है।

याद रखें ये बातें

पपीता खाने के वैसे तो फायदे ही फायदे हैं लेकिन गर्भवती महिला को पपीता खाने की सलाह नहीं दी जाती क्योंकि इससे पेट से जुड़ी दिक्कत हो सकती हैं जिससे गर्भपात भी हो सकता है। पपीते को खाने का सही समय दिन का है अगर पेट से जुड़ी दिक्कत रहती हैं तो खाली पेट पपीता खाया जा सकता है लेकिन अगर आपको दस्त जैसी समस्या है तो कुछ दिन पपीता खाना अवॉइड करें।

आप भी पेट की समस्याओं से हैं परेशान ? तो `पूप ट्रांसप्लांट' से मिल सकता है आराम

पू दुनिया के सबसे उपयोगी अपशब्दों में से एक है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जो लोग पुरानी पेट की बीमारियों से जूझ रहे हैं,उनके लिए यह जीवन रक्षक हो सकता है। आज हम आपको पूप ट्रांसप्लांट के बारे में विस्तार से बताने जा रह हैं, जिसके बारे में बहुत कम लोगों की जानकारी है। इसके फायदे जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे

इस महिला का हुआ था सबसे पहले श्पूप ट्रांसप्लांटश

कुछ साल पहले मेघा नागपाल भर पेट भोजन करने की कल्पना भी नहीं कर सकती थी। दिल्ली के मणिपाल अस्पताल में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. (कर्नल) अवनीश सेठ द्वारा उनका फेकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट (थ्डज) किया गया था। डॉ. सेठ ने भारत में पहली बार थ्डज नवंबर 2014 में किया था, जिसके एक साल बाद ै थ्व। ने व्यापक नैदानिक घ्पपरीक्षणों के बाद दवा के रूप में मल सामग्री के उपयोग को मंजूरी दी थी।

थ्डज के बाद बदल गई जिंदगी

मेघा को 18 साल तक क्रोनिक अल्सरेटिव कोलाइटिस ने लगभग अपंग बना दिया था, जिसके कारण उनके मल में खून आता था और उन्हें रोजाना 20 से अधिक बार शौचालय जाना पड़ता था। 18 साल तक कोई राहत न मिलने के बाद, थ्डज आखिरी विकल्प था। उनका चचेरा भाई डोनर बना था। वह बताती हैं कि– आज मैं स्टेरॉयड से पूरी तरह दूर हूं और स्वस्थ जीवन जी रही हूं। उन्होंने कहा– 2020 से पहले, मैं केवल नमक और हल्दी के साथ उबले हुए चावल खा सकती था। वे दिन चले गए अब मैं स्ट्रीट फूड का भरपूर आनंद लेती हूं।

थ्डज के और भी हैं कई फायदे

सोशल मीडिया पर द लिवर डॉक के नाम से मशहूर डॉक्टर का कहना है कि अस्पताल में गंभीर शराब से जुड़े हेपेटाइटिस (एसएएच) के इलाज के लिए एफएमटी का इस्तेमाल किया जा रहा है और इसके अच्छे नतीजे मिले हैं। एसएएच से प्रभावित लोगों के लिवर ट्रांसप्लांट के बिना बचने की संभावना बहुत कम है। लेकिन अस्पताल ने पाया कि एफएमटी के बाद मरीज लंबे समय तक और स्वस्थ रहते हैं। डॉक्टर का कहना है कि –35 एसएएच रोगियों में से जो एफएमटी से गुजरे, उनमें मस्तिष्क की कार्यक्षमता में कमी, संक्रमण और प्रमुख अस्पताल में भर्ती होने की घटनाएं 26 एसएएच की तुलना में बहुत कम थीं। इसका उपयोग किस उपचार के लिए किया जाता है। भारत में डॉक्टरों ने इसे शराब से जुड़े हेपेटाइटिस, ऑटिज्म के लिए उपयोगी उपचार पाया है।

भविष्य क्या है?

यह जानने के लिए शोध चल रहा है कि क्या एफएमटी ब्तवीदश्े कपेमेंम, शराबी यकृत रोग, कब्ज, मोटापा, मधुमेह, ऑटिज्म, पार्किंसंस और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं जैसी स्थितियों का इलाज कर सकता है। डॉक्टर कहते हैं– कुछ रोगियों में इसने शराब की लालसा को भी कम किया। एफएमटी लीवर ट्रांसप्लांट की तुलना में बहुत सस्ता विकल्प है, जिसकी कीमत लगभग 35–40 लाख रुपये है ।

उन्होंने यह भी पाया कि छह साल के ऑटिस्टिक बच्चे के लिए थ्डज के कुछ लाभ हैं, जो बेहतर नींद लेता है। अब छह साल का जॉन चार थ्डज सत्रों से गुजरा है, जो अगस्त 2021 में शुरू हुए थे प्रत्येक सत्र के बीच 15 दिन का अंतर था। बच्चे की मां का कहना है–, ष्उसकी आंत की सेहत में काफी सुधार हुआ है, अब वह बेहतर नींद लेता है ।ष

कैसे काम करता है पूप ट्रांसप्लांट

पूप ट्रांसप्लांट जिसे चिकित्सा भाषा में फेकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट (थ्डज) कहा जाता है, एक चिकित्सा प्रक्रिया है जिसमें स्वस्थ व्यक्ति के मल (पूप) को बीमार व्यक्ति के पेट या आंतों में डाला जाता है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य आंतों में मौजूद बैक्टीरिया के असंतुलन को ठीक करना है, ताकि आंतों के स्वास्थ्य को बहाल किया जा सके। हमारी आंतों में बहुत सारे माइक्रोबायोटा (बैक्टीरिया और अन्य सूक्ष्म जीव) होते हैं, जो पाचन और इम्यून सिस्टम को सही रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब किसी व्यक्ति की आंतों में अच्छे और बुरे बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ जाता है, तो कई प्रकार की पेट की बीमारियां हो सकती हैं।

पूप ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया

डोनर का चयनरू पहले एक स्वस्थ व्यक्ति से डोनर के रूप में मल लिया जाता है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि डोनर में किसी प्रकार का संक्रमण न हो।

मल का प्रोसेसिंगरू डोनर के मल को लैब में प्रोसेस किया जाता है, जिसमें मल से बैक्टीरिया को अलग किया जाता है। इसे एक तरल या कैप्सूल के रूप में तैयार किया जाता है।

ट्रांसप्लांट की विधि रू इसके बाद इसे निम्नलिखित तरीकों से मरीज की आंतों में डाला जा सकता है। इस प्रक्रिया में कोलोनोस्कोप के जरिए मल सीधे बड़ी आंत में डाला जाता है। इस विधि में मल के तरल रूप को सीधे मलाशय में डाला जाता है। कुछ मामलों में मल को कैप्सूल के रूप में भी दिया जाता है, जिसे मरीज निगल सकता है।

आंतों में बैक्टीरिया का पुनर्स्थापन

ट्रांसप्लांट के बाद, डोनर के स्वस्थ बैक्टीरिया मरीज की आंतों में पनपते हैं और बैक्टीरियल संतुलन को बहाल करते हैं। इससे मरीज की आंतों की सेहत में सुधार होता है। पूप ट्रांसप्लांट एक उभरती हुई चिकित्सा तकनीक है, जिसका उपयोग आंतों से संबंधित गंभीर बीमारियों के इलाज में किया जा रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम इसे भविष्य में और अधिक रोगों के इलाज के लिए उपयोगी बना सकते हैं।

चेहरे पर हो रहे मुंहासे और निकल रहे बाल, तो हो जाएं सावधान

हमारे चेहरे पर होने वाले विभिन्न बदलाव कभी–कभी हमारी स्वास्थ्य स्थिति के संकेत हो सकते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि चेहरे पर सूजन, फटे होंठ, या मुंहासे जैसे लक्षण केवल त्वचा की समस्याए नहीं हो सकतीं? असल में, ये बदलाव गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की ओर इशारा कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, आंखों के नीचे सूजन किडनी या थायरॉयड की समस्याओं का संकेत हो सकती है, जबकि फटे होंठ विटामिन की कमी का संकेत हो सकते हैं। इसी प्रकार, वयस्कों में मुंहासे आंतों की गड़बड़ी या हार्मोनल असंतुलन के संकेत हो सकते हैं। इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि समय पर पहचान कर सही उपचार कराना चाहिए। हम आपको बताएंगे कि कैसे इन चेहरे के संकेतों को समझकर आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं और किसी भी गंभीर समस्या से बच सकते हैं।

आंखों के नीचे सूजन

आंखों के नीचे लगातार सूजन हाइपर थायरायडिज्म या किडनी की समस्याओं का संकेत हो सकती है। किडनी की समस्याओं की वजह से शरीर में तरल पदार्थ इकठा हो सकता है, जिससे सूजन होती है। इसके अलावा, आंखों के नीचे काले घेरे नींद की कमी या पोषण की कमी के भी संकेत हो सकते हैं, खासकर आयरन और विटामिन श्केश की कमी के कारण।

फटे होंठ

मुंह के कोनों पर फटे हुए होंठ विटामिन बी की कमी का संकेत हो सकते हैं। विटामिन बी की कमी से शरीर के विभिन्न हिस्सों पर असर पड़ता है, और इससे फटे होंठ जैसी समस्याए उत्पन्न हो सकती हैं। मुंह के कोनों पर फटे हुए होंठ अक्सर विटामिन बी की कमी का संकेत होते हैं। विटामिन बी की कमी से शरीर के विभिन्न अंगों पर प्रभाव पड़ता है। विटामिन बी की कमी से त्वचा में सूखापन और जलन हो सकती है।

भौंहों के बाहरी हिस्से का पतला होना

भौंहों के बाहरी हिस्से का पतला होना थायरॉयड में गड़बड़ी का संकेत हो सकता है, विशेष रूप से हाइपोथायरॉयडिज्म। इस स्थिति में थायरॉयड ग्रंथि पर्याप्त हार्मोन नहीं बनाती, जिससे थकान, वजन बढ़ना और रूखी त्वचा जैसे लक्षण हो सकते हैं। अगर आप इनमें से कोई भी लक्षण अनुभव कर रहे हैं, तो थायरॉयड की जांच कराकर विशेषज्ञ से सलाह लें।

चेहरे पर असामान्य बाल

महिलाओं में चेहरे पर असामान्य रूप से बाल बढ़ना हार्मोनल असंतुलन का संकेत हो सकता है, जैसे कि पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (PCOS)। इस स्थिति में बालों के बढ़ने के अलावा वजन बढ़ना और मासिक धर्म में असामान्यता भी देखी जा सकती है। अगर आप इन लक्षणों का अनुभव कर रही हैं, तो हार्मोन विशेषज्ञ से परामर्श करें।

संक्षिप्त

नियामक उपायों से नवाचारों को बढ़ावा मिलना चाहिए : सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को ऐसे नियामक उपायों की जरूरत पर जोर दिया, जो तकनीकी नवाचार, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को जिम्मेदारी के साथ बढ़ावा दें, न कि उसे हतोत्साहित करें। उन्होंने नीति आयोग की रिपोर्ट विकसित भारत के लिए एआईरू तेज आर्थिक वृद्धि के अवसर जारी करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार न केवल एआई तकनीकों को अपनाने के लिए, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका जिम्मेदारीपूर्ण इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम ऐसे नियामक उपाय नहीं चाहते हैं, जो सचमुच तकनीक को ही खत्म कर दे। हम ऐसे नियमन चाहते हैं जो जिम्मेदार अनुप्रयोग को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा, एआई तेजी से बढ़ रही हमारे वक्त की सच्चाई है। इसलिए हम सभी को सचेत रहना होगा कि हम नैतिकता से पीछे न हटें, क्योंकि एआई की अपनी चुनौतियां भी हो सकती हैं। सीतारमण ने आगे कहा कि चुनौतियां सिर्फ नौकरियों में ही नहीं हैं, बल्कि इस बात को लेकर भी हैं कि इनका दुरुपयोग कैसे रोका जाए। रिपोर्ट के अनुसार जहां एक ओर एआई कई नई भूमिकाएं तैयार करेगा, वहीं दूसरी ओर यह कई मौजूदा नौकरियों को भी विस्थापित भी करेगा। विशेष रूप से लिपिकीय और निम्न कौशल वाले क्षेत्रों में ऐसा होगा।

इंडिगो जनवरी 2026 में एथेंस के लिए छह साप्ताहिक सीधी उड़ानें शुरू करेगी

घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने सोमवार को कहा कि वह अगले साल जनवरी से एथेंस, ग्रीस के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइन ने कहा कि वह इसके लिए अपना पहला एयरबस ए321 एक्सएलआर विमान तैनात करेगी, जिसकी आपूर्ति इस साल के अंत तक होने वाली है। इंडिगो ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि वह चालू वित्त वर्ष में 10 अंतरराष्ट्रीय

गंतव्यों के लिए अपनी उड़ान सेवाएं शुरू करेगी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि इंडिगो 2025 के अंत तक भारत का पहला ए321 एक्सएलआर विमान लाने और जनवरी 2026 की शुरुआत में एथेंस के लिए छह साप्ताहिक सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके लिए नियामकीय मंजूरी का इंतजार है। बयान के अनुसार इससे इंडिगो भारत और ग्रीस के बीच सीधी उड़ानें प्रदान करने वाली एकमात्र भारतीय एयरलाइन बन जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि उचित मंजूरियां मिलने के बाद वह एथेंस को दिल्ली और मुंबई दोनों से जोड़ने का इरादा रखती है।

अगस्त में भारत का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़ा, आयात 10प्रतिशत घटकर 61.59 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। अगस्त में भारत का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर हो गया है। वहीं देश का आयात 10.2 प्रतिशत घटकर 61.59 अरब डॉलर हो गया। सरकार ने इससे जुड़े आंकड़े जारी कर दिए हैं। अगस्त में भारत का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान आयात 10.12 प्रतिशत घटकर 61.59 अरब डॉलर रह गया। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह बात कही गई। पिछले वर्ष अगस्त में निर्यात 32.89 अरब अमेरिकी डॉलर का था और आयात 68.53 अरब अमेरिकी डॉलर का था। अगस्त 2025 के दौरान व्यापार घाटा 26.49 बिलियन अमरीकी डॉलर था, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 35.64 बिलियन अमरीकी डॉलर था। अप्रैल–अगस्त 2025–26 के दौरान निर्यात 184.13 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा, जबकि आयात 306.52 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। आंकड़ों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और व्यापार नीति की अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के निर्यातकों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को आठ फीसदी विकास दर पर ले जा सकता है एआई, नीति आयोग ने पेश किया रोडमैप

नई दिल्ली। नीति आयोग और निति फ्रंटियर टेक हब ने सोमवार को एक विस्तृत रिपोर्ट जारी कर एआई को भारत की अर्थव्यवस्था के लिए निर्णायक साधन बताया। रिपोर्ट शविकसित भारत के लिए एआईरू त्वरित आर्थिक विकास के अवसरश में यह विजन दिखाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई अपनाने और रिसर्च व डेवलपमेंट (आरएंडडी) में बदलाव के जरिए भारत 2035 तक अनुमानित 6.6 ट्रिलियन डॉलर के जीडीपी को बढ़ाकर 8.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचा सकता है। यह एआई की मदद से विकास अंतर का लगभग आधा हिस्सा पूरा करने में संभाव होगा। नीति आयोग की एआई रिपोर्ट जारी करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हम ऐसे नियमन नहीं चाहते जो नवाचारों को खत्म कर दें। उन्होंने कहा कि एआई को बेहतर शहरों के लिए समाधान देने में मदद करनी चाहिए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एआई जीवन के हर पहलू को मौलिक रूप से बदलने जा रहा है। उन्होंने भारत के लिए एआई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और अपनाने में अग्रणी होने के महत्व पर बल दिया। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एआई हाल के दशकों में सबसे बड़े तकनीकी परिवर्तन के रूप में उभरा है और इसका प्रभाव इंटरनेट के समान होगा।

कोशिश करेंगे देश को हमेशा गर्व महसूस कराएं, पाकिस्तान के मुंह पर जोरदार तमाचा मारने के बाद गंभीर

दुबई। एशिया कप 2025 में पाकिस्तान पर भारत की जोरदार जीत ने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान का सांकेतिक बहिष्कार किया और इसने मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया। अब एक और बड़ा खुलासा हुआ है कि मैच के बाद हाथ न मिलाने का फैसला भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर का था। दुबई में खेले गए इस हाई–वोल्टेज मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से कोई औपचारिकता नहीं निभाई, जिससे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई। मैच के बाद गंभीर ने ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए खुशी भी जताई।

मैच के बाद कोच गंभीर की प्रतिक्रिया

मैच के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए गौतम गंभीर ने कहा, श्अच्छी जीत थी। टूर्नामेंट में हमारे लिए अभी बहुत क्रिकेट बचा है। यह मैच महत्वपूर्ण था क्योंकि हम पहलगाम पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ एकजुटता दिखाना चाहते थे। सबसे अहम है कि हम भारतीय सेना का धन्यवाद करना चाहते हैं, जिन्होंने सफल ऑपरेशन सिंदूर चलाया। हम कोशिश करेंगे कि देश को गर्व महसूस कराएं और खुश रखें।

पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर का संदर्भ

यह मुकाबला दोनों देशों के बीच अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले और मई में भारतीय सेना के श्ऑपरेशन सिंदूरश के बाद पहला आमना–सामना था। इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी। ऐसे माहौल में मैच का होना ही दबाव में था, और सोशल मीडिया पर इसे लेकर खूब बहस हुई।

मैच में पूरी तरह हावी रही टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारत ने पहले गेंदबाजी में पाकिस्तान को सिर्फ 127 रन पर रोका और फिर 15.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से जीत दर्ज की। हालांकि क्रिकेटिंग नजरिए से मैच एकतरफा रहा, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा भारतीय खिलाड़ियों के पाकिस्तान से हाथ न मिलाने को लेकर हुई। मैच के बाद जब पाकिस्तानी खिलाड़ी भारतीय ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़े तो वहां का दरवाजा भी बंद कर दिया गया।

सूर्यकुमार ने कहा– मैदान पर सही जवाब दिया

सूर्यकुमार यादव से जब इस फैसले पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, श्हमने टीम के तौर पर फैसला लिया। हम यहां सिर्फ खेलने आए थे। हमने सही जवाब दिया। हम बीसीसीआई और सरकार के साथ हैं। मुझे लगता है कि जिंदगी में कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं। हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं और यह जीत हमारे बहादुर जवानों को समर्पित है जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में हिस्सा लिया।श

हैंडशेक नहीं, मैच जीतें...गंभीर का था प्लान?

एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ही वह व्यक्ति थे जिन्होंने पाकिस्तान से हाथ न मिलाने का आइडिया दिया था। इसमें कहा गया है कि गंभीर ने भारतीय खिलाड़ियों को सलाह दी कि वे पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाएं और न ही उनसे कोई बातचीत करें। टेलिकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट में ये बातें कही गई हैं। मैच से पहले श्बहिष्कारश की बातें भारतीय ड्रेसिंग रूम तक पहुंच चुकी थीं। इसके बाद सूर्यकुमार और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने गंभीर और सपोर्ट स्टाफ से इस पर बात की। गंभीर ने खिलाड़ियों से कहा कि वे सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखें और सिर्फ खेल पर ध्यान दें। रिपोर्ट के मुताबिक, मैच से पहले गंभीर ने अपने खिलाड़ियों को समझाया और उनसे कहा, श्सोशल मीडिया से दूरी बनाओ, शोर मत सुनो। तुम्हारा काम है भारत के लिए खेलना। पहलगाम में क्या हुआ था, मत भूलो। हाथ मत मिलाना, बातचीत मत करना, बस मैदान में जाओ, अपना बेस्ट दो और भारत के लिए जीतकर आओ।श

आगे फिर भिड़ंत संभव

भारत और पाकिस्तान की टीमें एशिया कप 2025 के सुपर–4 राउंड में फिर से आमने–सामने आ सकती हैं। अगर दोनों टीमें फाइनल तक पहुंचती हैं तो खिताबी मुकाबले में भी भिड़ंत संभव है। मौजूदा हालात को देखते हुए अगली भिड़ंत और भी ज्यादा रोमांचक होने की संभावना है।

खेल भावना की कमी..., भारत के हाथ न मिलाने से बौखलाए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी, दिया बेतुका बयान

दुबई। एशिया कप 2025 में हार के बाद तिलमिलाए पाकिस्तान की ओर से बयानबाजी का दौर जारी है। भारतीय टीम द्वारा हाथ न मिलाने की घटना के बाद पाकिस्तान में बवाल खड़ा हो गया है। दुबई में खेले गए इस हाई–वोल्टेज मुकाबले में हार के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाना चाहते थे, लेकिन भारतीय टीम ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और ड्रेसिंग रूम का दरवाजा बंद कर लिए। इस तरह अपने देश का बहिष्कार होने से बौखलाए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी की प्रतिक्रिया सामने आई है।

पीसीबी ने की औपचारिक शिकायत

मैच के बाद पीसीबी ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए बताया कि उन्होंने भारतीय टीम के व्यवहार के खिलाफ एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) में औपचारिक शिकायत दर्ज करवाई है। पीसीबी के आधिकारिक प्रेस रिलीज में कहा गया है, टीम मैनेजर नावेद चीमा ने भारतीय खिलाड़ियों द्वारा हाथ न मिलाने के व्यवहार के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इसे खेल भावना के खिलाफ और असंवैधानिक माना गया। इसी के विरोध में हमने अपने कप्तान (सलमान आगा) को पोस्ट–मैच सेरेमनी में नहीं भेजा। तिलमिलाए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे श्खेल भावना की कमीश बताया और कहा कि भारत ने खेल में राजनीति को घसीटा है। नकवी ने लिखा, भारत–पाकिस्तान मैच के बाद खेल भावना की घोर कमी देखने को मिली। राजनीति को खेल में लाना खेल की आत्मा के खिलाफ है। उम्मीद है भविष्य में जीत सभी टीमें गरिमा के साथ मनाएंगी।

भारतीय टीम का पक्षः हम एकजुटता दिखा रहे थे

इस मामले पर जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से पूछा गया तो उन्होंने साफ किया कि यह विरोध पाकिस्तान के खिलाफ नहीं था, बल्कि पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति एकजुटता दिखाने का तरीका था।

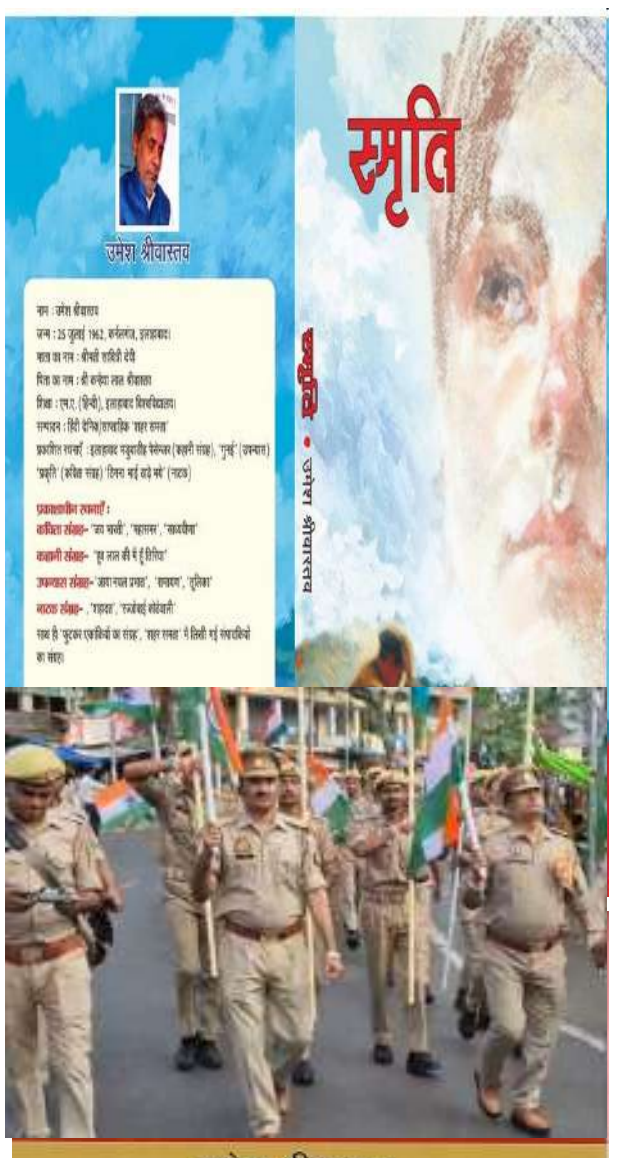

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

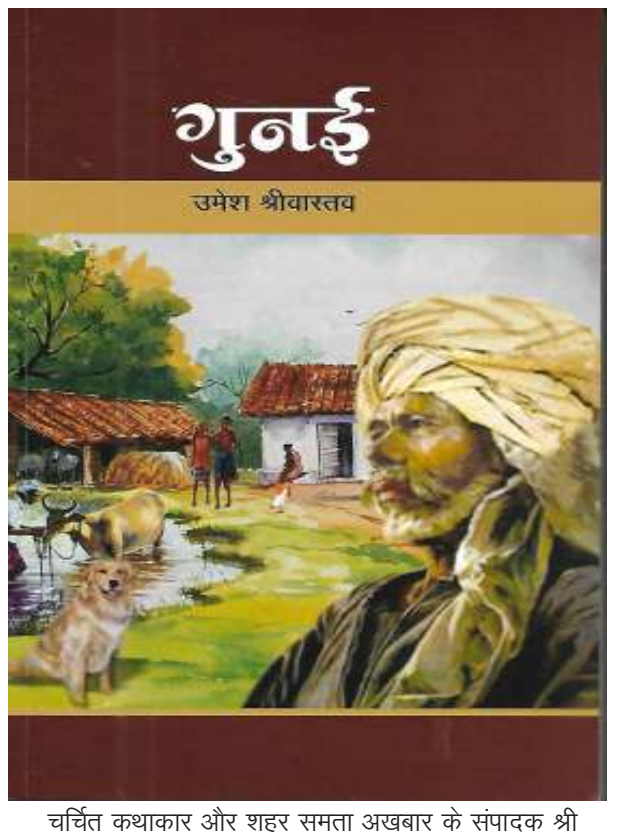

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

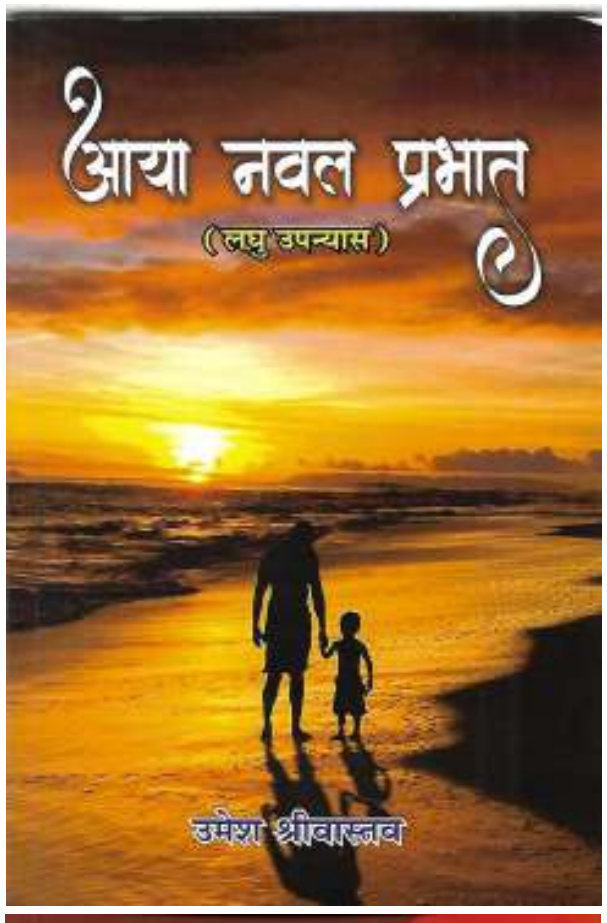

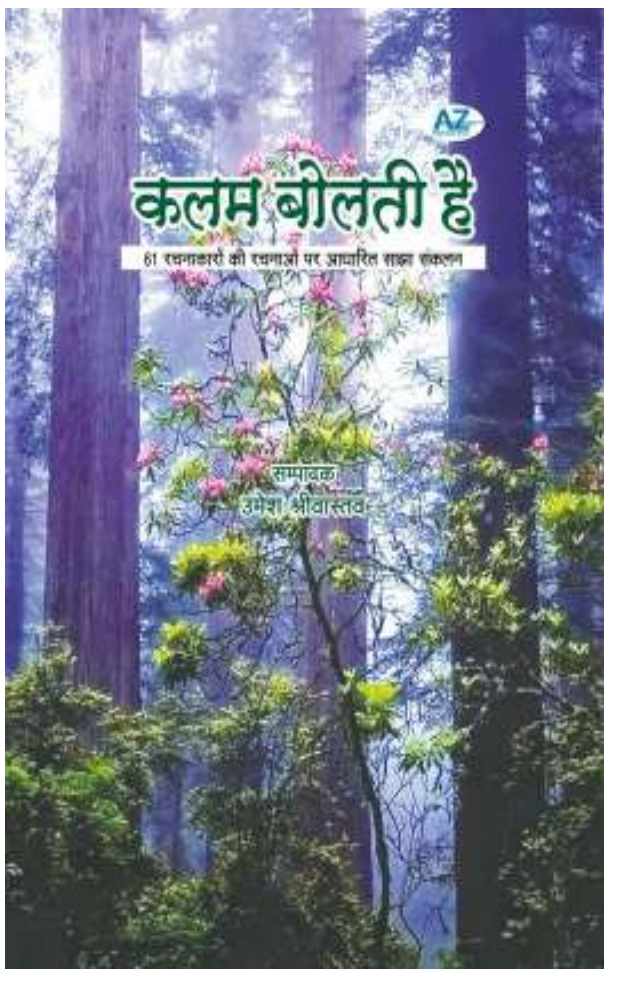

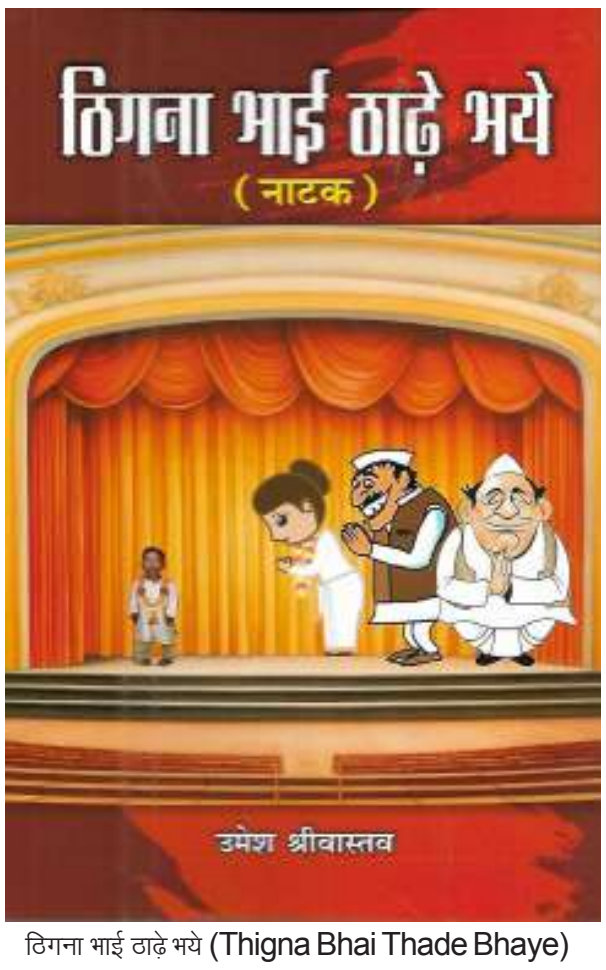

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

'जेन जेड' आंदोलन के दौरान हिंसा में शामिल लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा : कार्की

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को कहा कि पिछले सप्ताह सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान देशभर में हिंसा और विनाश में शामिल रहे लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। कार्की (73) ने यह भी घोषणा की कि 'जेन जेड' प्रदर्शन के दौरान मारे गए लोगों को ''शहीद'' घोषित किया जाएगा और उनके परिजनों को दस लाख नेपाली रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। उन्होंने पूर्वाह्न करीब 11 बजे काठमांडू के सिंह दरबार सचिवालय में नवनिर्मित गृह मंत्रालय भवन में पदभार ग्रहण किया। नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश कार्की को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने 'जेन जेड' समूह की सिफारिश पर कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। इस समूह ने दो–दिवसीय विरोध प्रदर्शन के माध्यम से मंगलवार को के पी शर्मा ओली सरकार को उखाड़ फेंका था। इस बीच, राष्ट्रपति कार्यालय के सूत्रों ने बताया है कि प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राष्ट्रपति पौडेल ने कुलमन घीसिंग, रामेश्वर खनल और ओम प्रकाश आर्यल को मंत्री नियुक्त किया है। सूत्रों के अनुसार घीसिंग को ऊर्जा, शहरी विकास और सड़क एवं परिवहन मंत्रालय मिलेगा; खनाल को वित्त और आर्यल को गृह मंत्रालय मिलेगा। इन तीनों मंत्रियों का सोमवार दोपहर राष्ट्रपति कार्यालय में शपथग्रहण होगा। मंगलवार को हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय में आग लगा दिए जाने के बाद सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय को सिंह दरबार परिसर में नवनिर्मित गृह मंत्रालय भवन में स्थानांतरित कर दिया है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद सचिवों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि हिंसा और सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति के विनाश में शामिल लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नौ सितंबर के विरोध प्रदर्शन के दौरान आगजनी तथा तोड़फोड़ ''सुनियोजित'' थी और 'जेन–जेड' प्रदर्शनकारी ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं थे। कार्की ने कहा, ''जिस तरह की आगजनी और तोड़फोड़ हुई है, वह एक आपराधिक कृत्य है। इसे सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया। इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों को सज़ा मिलनी चाहिए।'' उन्होंने मुख्य सचिव एकनारायण अर्याल को देश भर में नष्ट हुईं पुलिस चौकियों की मरम्मत का प्रबंध करने का भी निर्देश दिया। सोमवार को सोशल मीडिया पर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन जल्द ही एक बड़े अभियान में बदल गया, जिसमें भ्रष्टाचार के प्रति जनता का गुस्सा और राजनीतिक वर्ग की कथित उदासीनता की झलक दिखी। के पी शर्मा ओली ने मंगलवार को तब इस्तीफा दे दिया था, जब सैकड़ों आंदोलनकारी उनके कार्यालय में घुस गए और सोमवार के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत के लिए उनके त्यागपत्र की मांग करने लगे। इस बीच, मुख्य सचिव आर्यल ने बताया कि आंदोलन के दौरान मरने वालों की संख्या 72 हो गई है, जिनमें तीन पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इनमें 59 प्रदर्शनकारी और 10 कैदी शामिल हैं।

संक्षिप्त

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने पुलिस अधिकारियों पर हमले और नस्लवादी धमकी की निंदा की

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक दिन पहले बड़े पैमाने पर आप्रवासी विरोधी प्रदर्शन के हिंसक हो जाने और उस दौरान कई पुलिस अधिकारियों के घायल हो जाने के बाद रविवार को पुलिस अधिकारियों पर हमले और नस्लवादी धमकी की निंदा की। दक्षिणपंथी कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन द्वारा आयोजित यूनाइट द किंगडम विरोध प्रदर्शन शनिवार को अराजकता में

बदल गया तथा झड़पों में कम से कम 26 पुलिस अधिकारी घायल हो गए। बाद में इस सिलसिले में 24 गिरफ्तारियां हुईं। इसे अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने दूर से संबोधित किया। यहां 10 डाउनिंग स्ट्रीट के निकट सड़कों पर हुई हिंसा पर अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया में स्टार्मर ने प्रवासी पृष्ठभूमि के आधार पर लोगों को डराने–धमकाने की निंदा की। स्टारमर ने कहा, लोगों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार है। यह हमारे देश के मूल्यों के केंद्र में है। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम अपना काम कर रहे पुलिस अधिकारियों पर हमले को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

अमेरिका में आव्रजन अधिकारियों ने बुजुर्ग सिख महिला को हिरासत में लिया, परिवार ने रिहाई की मांग की

अमेरिका के कैलिफोर्निया में आव्रजन अधिकारियों ने 73 वर्षीय एक सिख महिला को उस समय हिरासत में ले लिया जब वह अमेरिकी एजेंसी में नियमित जांच के लिए गई थी। उसके बाद महिला के परिवार और समुदाय के सदस्यों ने विरोध जताया और चिंता जाहिर की। एक गैर–लाभकारी समाचार पोर्टल बर्कलेसाइड की रिपोर्ट के अनुसार, 73 वर्षीय हरजीत कौर 30 से अधिक वर्षों से उत्तरी कैलिफोर्निया के ईस्ट बे में रह रही हैं। उन्हें इस सप्ताह के शुरू में नियमित जांच के दौरान आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) अधिकारियों ने हिरासत में लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कौर के परिवार ने समुदाय के सैकड़ों सदस्यों के साथ मिलकर शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया और कौर की तत्काल रिहाई की मांग की।कौर को सोमवार को उस समय हिरासत में लिया गया था जब आईसीई ने उन्हें अतिरिक्त कागजात जमा करने के लिए सैन फ्रांसिस्को कार्यालय आने को कहा था। रिपोर्ट में कहा गया है, उन्हें बेकर्सफील्ड के एक हिरासत केंद्र में ले जाया गया।

इजराइली सैनिकों ने मेरे घर पर छापेमारी की : ऑस्कर विजेता फलस्तीनी निर्देशक अद्रा

ऑस्कर विजेता फलस्तीनी निर्देशक बेसल अद्रा ने कहा कि इजराइली सैनिकों ने शनिवार को पश्चिमी तट स्थित उनके घर पर छापा मारा, उनके बारे में पूछताछ की और उनकी पत्नी के फोन की जांच की। अद्रा ने कहा कि कि इजराइली लोगों ने उनके गांव पर हमला किया, जिसमें उनके दो भाई और एक चचेरा भाई घायल हो गए। अद्रा ने कहा कि वह अपने घायल रिश्तेदारों के साथ अस्पताल गये जहां उन्हें गांव से परिवार वालों ने बताया कि नौ इजराइली सैनिकों ने उनके घर पर धावा बोल दिया। उन्होंने बताया कि सैनिकों ने उनकी पत्नी सुहा से उनके बारे में पूछताछ की और उनके फोन की जांच की और उस समय उनकी नौ महीने की बेटी घर पर थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने उनके एक चाचा को भी कुछ देर के लिए हिरासत में लिया। अद्रा ने कहा कि उन्होंने गांव के बाहर रात बिताई, वह घर नहीं जा सके और अपने परिवार से भी नहीं मिल सके क्योंकि सैनिकों ने गांव को घेर रखा था और उन्हें डर था कि उन्हें भी हिरासत में ले लिया जाएगा। इजराइली सेना ने कहा कि फलस्तीनियों द्वारा पथराव करने और दो इजराइली नागरिकों के घायल होने के बाद सैनिक गांव में मौजूद हैं। सेना ने कहा कि उसके सैनिक अब भी गांव में हैं और इलाके की तलाशी ले रहे हैं और लोगों से पूछताछ कर रहे हैं।

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने वायु और नौसैनिक अभ्यास शुरू किया

अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के एक द्वीप के पास वायु और नौसैनिक अभ्यास शुरू किया। वहीं, उत्तर कोरिया ने इस संयुक्त युद्धाभ्यास की निंदा करते हुए इसे ''लापरवाह शक्ति प्रदर्शन'' बताया। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'फ्रीडम एज' नामक यह अभ्यास समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र में तीनों देशों की संयुक्त अभियागत क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। यह उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों का मुकाबला करने के लिए आवश्यक है। अमेरिकी हिंद–प्रशांत कमांड ने बताया कि इस अभ्यास में अमेरिकी मरीन और वायुसेना के हवाई उपकरण शामिल होंगे और इसमें उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल व वायु–रक्षा अभ्यास, चिकित्सीय निकासी और समुद्री अभियानों का प्रशिक्षण होगा। इसे अब तक का सबसे उन्नत त्रिपक्षीय रक्षा सहयोग अभ्यास बताया गया है। यह अभ्यास दक्षिण कोरिया के दक्षिणी जेजू द्वीप के पास शुक्रवार तक चलेगा। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सरकारी मीडिया में इन अभ्यासों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ''उत्तर कोरिया के आसपास किया गया यह लापरवाह शक्ति प्रदर्शन अंततः उनके लिए ही बुरे नतीजे लाएगा।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

अपने ही देश में कैदी बन गया ब्रिटेन, बेकाबू भीड़ ने भयानक किए हालात

दुनिया के हर कोने में इस वक्त जबरदस्त बवाल मचा है। किसी न किसी कोने में विरोध प्रदर्शन की आग धधक रही है। नेपाल के बाद अमेरिका और अब अमेरिका के बाद यूरोपीय देश ब्रिटेन में भी जबरदस्त प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। लेकिन ब्रिटेन में जो इस बार हंगामा हो रहा है वो बाहरी लोगों के विरोध को लेकर है। इनकी मांग है कि बाहरी लोगों को देश से बाहर कर दिया जाए। दरअसल, बीते दिन करीब एक लाख लोग लंदन की सड़कों पर उतरे। देश से अवैध प्रवासियों को बाहर करने की मांग के साथ बड़ा विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।

यूनाइटेड द किंगडम प्रोटेस्ट

ब्रिटेन में अवैध प्रवासियों की बढ़ती आबादी के खिलाफ शनिवार को लंदन में एक लाख से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शन किया। इस प्रोटेस्ट को यूनाइटेड द किंगडम नाम दिया गया। प्रदर्शन को एंटी इमिग्रेशन लीडर टॉमी रॉबिन्सन ने किया। इसे देश की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली बताया गया। प्रदर्शन में टेस्ला मालिक एलन मस्क भी विडियो के जरिए जुड़े। मस्क ने कहा, शहिंसा तुम्हारे पास आ रही है। या तो लड़ो या मरो।श मस्क ने ब्रिटेन में संसद भंग करने की मांग की। उन्होंने कहा, श्सरकार बदलनी होगी।श जब एक लाख से ज्यादा लोग प्रदर्शन कर रहे थे, तब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अपने बेटे के साथ लंदन के एमिरेट्स स्टेडियम में फुटबॉल मैच देख रहे थे। पीएम ने कहा कि हिंसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। सेंट्रल लंदन में प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 26 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। चार पुलिसकर्मियों को गंभीर चोटें आई हैं।

अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने की मांग

अवैध प्रवासियों का मुद्दा यूरोप में अब कितना जोर पकड़ रहा है, ये साफ देखने को मिल रहा है। वेस्टर्न कल्चर में ये बहुत आम बात है। अवैध प्रवासियों को लेकर पहले शुरुआती दौर में ह्यूमन राइट्स और बड़ी बड़ी बातें, नारे देकर इन लोगों ने अवैध प्रवासियों को अपने देश में रखा और आज यही देश जोर देकर प्रदर्शन कर रहे हैं। गैर कानूनी प्रवासियों को स्थानीय समुदाय की तुलना में ज्यादा अधिकार मिलने की बात अब और जोर पकड़ रही है। पूरा ब्रिटेन चाहता है कि अब अवैध प्रवासियों को देश से बाहर कर दिया जाए। ब्रिटेन की सड़कों पर अवैध प्रवासियों का मुद्दा आए दिन जोर पकड़ रहा है। लेकिन बड़ी बात ये है कि इतने बड़े स्तर पर ऐसा मार्च पहली बार हुआ।

पुलिस अधिकारियों पर हमले और नस्लवादी धमकी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक दिन पहले बड़े पैमाने पर आप्रवासी विरोधी प्रदर्शन के हिंसक हो जाने और उस दौरान कई पुलिस अधिकारियों के घायल हो जाने के बाद पुलिस अधिकारियों पर हमले और नस्लवादी धमकी की निंदा की। दक्षिणपंथी कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन द्वारा आयोजित यूनाइट द किंगडम विरोध प्रदर्शन शनिवार को अराजकता में बदल गया तथा झड़पों में कम से कम 26 पुलिस अधिकारी घायल हो गए। बाद में इस सिलसिले में 24 गिरफ्तारियां हुईं। इसे अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने दूर से संबोधित किया। यहां 10 डाउनिंग स्ट्रीट के निकट सड़कों पर हुई हिंसा पर अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया में स्टार्मर ने प्रवासी पृष्ठभूमि के आधार पर लोगों को डराने–धमकाने की निंदा की। स्टारमर ने कहा, लोगों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार है। यह हमारे देश के मूल्यों के केंद्र में है।

अमेरिका में भारतीय होटल प्रबंधक की हत्या के बाद ट्रंप ने बाइडन की आव्रजन नीति की आलोचना की

अमेरिका के डलास में भारतीय मूल के एक होटल प्रबंधक की सिर कलम कर बेरहमी से हत्या किए जाने की घटना के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडन सरकार के कार्यकाल में बनायी आव्रजन नीति की कड़ी आलोचना की। सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर ट्रंप ने हमलावर को ''अवैध अप्रवासी'' बताया और कहा कि उसे देश से निकाल देना चाहिए था। ऐसा न किए जाने के लिए ट्रंप ने बाइडन की उदार नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''इन अवैध अप्रवासी अपराधियों के प्रति अब कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।'' टेक्सास प्रांत में 10 सितंबर को 'डाउनटाउन सुइट्स' होटल में वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद 50 वर्षीय भारतीय मूल के होटल प्रबंधक का उसकी पत्नी और बेटे के सामने सिर कलम कर दिया गया था। आपराधिक इतिहास वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया था, जो होटल प्रबंधक का सहकर्मी है। डलास पुलिस विभाग के अनुसार, मूल रूप से कर्नाटक निवासी चंद्र मौली 'बॉब' नागमल्लैया की हत्या उसके सहकर्मी योर्डानिस कोबोस–मार्टिनेज (37) ने की। दोनों के बीच खराब वॉशिंग मशीन को लेकर विवाद हुआ था। कोबोस कथित तौर पर उस समय आपा खो बैठा जब नागमल्लैया ने उससे सीधे बात करने के बजाय किसी अन्य व्यक्ति से उनके निर्देशों का अनुवाद करने को कहा। सीसीटीवी फुटेज में कोबोस को एक चाकू निकालते और नागमल्लैया पर हमला करते हुए देखा गया है। अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने पुष्टि की कि कोबोस को पहले भी हिरासत में लिया गया था, लेकिन क्यूबा द्वारा उसके निर्वासन को स्वीकार करने से इनकार करने के बाद उसे जनवरी 2025 में रिहा कर दिया गया था।

मुस्लिमों को ब्रिटेन से निकालेगा ये तगड़ा आदमी, टूट पड़े 3 लाख लोग

13 सितंबर को लंदन की सड़कों पर लाखों लोग थे जो खुद को राष्ट्रभक्त बोल रहे थे। एक लाख से ज्यादा लोग लंदन में अवैध प्रवासी के मुद्दे पर प्रदर्शन करने निकले। कई लोगों का कहना है कि ये संख्या तीन लाख तक पहुंच गई थी। इस बड़े प्रदर्शन को यूनाइट द किंगडम नाम दिया गया। इस प्रदर्शन को एंटी इमीग्रेशन नेता टॉमी रॉबिन्सन लीड कर रहे थे। इस प्रदर्शन को ब्रिटेन की सबसे बड़ी दक्षिणपंथी रैली माना जा रहा है। हैरानी की बात देखिए कि इस प्रदर्शन में टेस्ला के मालिक एलन मस्क भी अमेरिका से जुड़ गए और उन्होंने ब्रिटेन के लोगों से कहा कि या तो लड़ो या फिर मरो। ऐसे में सवाल है कि लंदन में पूरी जनता को अपने साथ सड़कों पर लाने वाले टॉमी रॉबिन्सन कौन हैं। टॉमी रॉबिन्सन इस्लाम के खिलाफ क्यों हैं और वो मुस्लिमों को देश से क्यों निकालना चाहते हैं?

प्रदर्शनकारियों के नेता रॉबिन्सन कौन हैं

असली नामः स्टीफन क्रिस्टोफर यैक्सली–लेनन।

जन्मः 27 नवंबर 1982, ल्यूटन, इंग्लैंड।

पेशाः राइट एक्टिविस्ट, पूर्व म्क्स नेता, पत्रकार।

पहचानः इस्लाम विरोधी और एटी इमिग्रेशन अभियान के लिए।

जेलः 2005 से अब तक 6 बार जेल जा चुके है। जनवरी में डेली मेल पत्रकारो पर के मामले हैरेसमेंट में जेल भी गए थे।

टॉमी रॉबिन्सन के मुताबिक लाखों लोगों के इस प्रदर्शन का मकसद ब्रिटेन में अवैध प्रवासन के खिलाफ आवाज उठाना है।

बाढ़ पीड़ितों के नाम पर चंदा जुटा कर लश्कर–ए–तैयबा अपनी ध्वस्त इमारतों को फिर से खड़ा करने में जुटा है

लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन का नया चेहरा एक बार फिर उजागर हुआ है। भारतीय वायुसेना द्वारा 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के मुरिदके स्थित इसके मुख्यालय को ध्वस्त करने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने यह खुलासा किया है कि एलईटी ऑनलाइन और ऑफलाइन अभियानों के जरिए खुलेआम धन इकट्ठा कर रहा है।

चौंकाने वाली बात यह है कि इन अभियानों को "बाढ़ पीड़ितों की मदद" जैसे मानवीय नारों की आड़ में चलाया जा रहा है। हम आपको बता दें कि यह वही तरीका है जिसे 2005 के पाकिस्तान/गिलगित–बाल्टिस्तान व पीओजेके भूकंप के दौरान जमात–उद–दावा ने अपनाया था और जुटाए गए चंदे का अधिकांश हिस्सा आतंकी ढांचे के निर्माण में झोंक दिया गया था। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, हाल में पाकिस्तानी रेंजर्स और अधिकारियों की मौजूदगी में एलईटी कार्यकर्ता बाढ़ राहत शिविरों में तस्वीरें खिंचवाते नजर आए, ताकि "सेवा" का भ्रम बने। वास्तव में यह समूचा अभियान मुरिदके मुख्यालय के पुनर्निर्माण और अन्य क्षतिग्रस्त ठिकानों को फिर से खड़ा करने का जरिया है। पाकिस्तान सरकार ने भी सार्वजनिक रूप से एलईटी और जैश–ए–मोहम्मद की सुविधाओं के पुनर्निर्माण के लिए धन देने की घोषणा की थी। 4 करोड़ पाकिस्तानी रुपये की औपचारिक मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है, जबकि कुल खर्च का अनुमान 15 करोड़ रुपये से अधिक है। भारतीय वायुसेना ने जिन तीन इमारतों को निशाना बनाया था, उनमें एक दो–मंजिला लाल रंग की इमारत हथियारों के भंडारण और कैडरों के ठहरने के काम आती थी, जबकि दो अन्य पीली इमारतें वरिष्ठ कमांडरों और प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए थीं। इनके नष्ट होने के बाद आतंकी ढांचे को बहरावलपुर और फिर कसूर में स्थानांतरित कर दिया गया। अगस्त–सितंबर में मुरिदके के अवशेषों को जमींदोज कर दिया गया और अब फरवरी 2026 तक नए ढांचे के खड़े होने का लक्ष्य रखा गया है। यह तारीख पाकिस्तान में "कश्मीर एकजुटता दिवस" के रूप में मनाई जाती है और उसी दिन एलईटी का वार्षिक जिहाद सम्मेलन आयोजित होना है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर "आतंकवाद–रोधी" नीति का दिखावा करता है, जबकि हकीकत में उसके संरक्षण में प्रतिबंधित संगठन नाम बदल–बदल कर सक्रिय रहते हैं। भारतीय एजेंसियों ने जिन नए नामों की पहचान की है, उनमें पीपुल्स एंटी–फासीस्ट फ्रंट, द रेजिस्टेंस फ्रंट, कश्मीर टाइगर्स, तहरीक–ए–तालिबान कश्मीर और माउंटेन वॉरियर्स ऑफ कश्मीर शामिल हैं। देखा जाये तो पाकिस्तान का यह दोहरा खेल अब छिपा नहीं रह गया है। एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को दिखाता है कि आतंक पर काबू पाया जा रहा है, दूसरी ओर प्रतिबंधित संगठनों को पुनर्जीवित कर भारत के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर जारी रखता है। मुरिदके की पुनर्निर्माण गाथा और बाढ़ राहत के नाम पर जुटाई जा रही रकम इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि आतंकवाद उसके लिए नीति का हिस्सा है, न कि समस्या का समाधान। भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह समझना होगा कि आतंक और मानवीय सहायता को एक साथ नहीं चलने दिया जा सकता।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।